राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 31 मई 2025 वर्ष-8,अंक-101 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

## छात्रों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला, नीट पीजी परीक्षा एक ही शिफ्ट में होगी

**नई दिल्ली।**

नीट पीजी परीक्षा एक ही शिफ्ट में आयोजित होगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इसका आदेश दिया। छात्रों ने 2 शिफ्ट में परीक्षा के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। याचिका दाखिल करने वाले छात्रों का कहना था कि 2 शिफ्ट में परीक्षा से मुख्य पेपर के डिफिकल्े टी लेवल में फर्क होता है, जो फेयर इवैल्े युएशन नहीं है। परीक्षा में हासिल किए गए नंबर्स में भी फर्क आ जाता है। दरअसल नीट पीजी एग्े जाम 15 जून को होना है जिसके लिए एडमिट कार्ड 2 जून को जारी होने है। इसकारण सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने मामले की जल्े द सुनवाई की है। बेंच ने कहा कि ये तर्क माना नहीं जा सकता कि एग्े जाम कराने के लिए एनबीई (नेशनल बोर्ड ऑफ एग्े जामिनेशन) को पयार्ि त सेंटर नहीं मिले। 2 शिफ्ट में परीक्षा कराना ठीक नहीं है। दो पेपर्स का डिफिकल्े टी लेवल कभी एक जैसा नहीं हो सकता। नॉर्मलाइजेशन का इस्े तेमाल एक्े सेप्े शनल केसेज में होना चाहिए, न कि रूटीन परीक्षाओं में। इस साल का एग्े जाम 15 जून को होना है। अभी भी एग्े जामिनेशन बॉडी तय करने और सेंटर्स चुनने के लिए 2 सप्े ताह से ज्े यादा का समय बाकी है। इसके बावजूद अगर और समय की जरूरत होती है, तब आवेदन कर सकते हैं।

## खुल्लेआम ऑनलाइन सट्टेबाजी को प्रमोट कर रहे बल्लेबाज, बीसीसीआई पैसा कमाने में व्यस्त

### फैंस और माता-पिता बीसीसीआई के नैतिकता पर उठा रहे सवाल

**नई दिल्ली।**

आईपीएल ने देशभर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन सट्टेबाजी की एक चिंताजनक प्रवृत्ति युवाओं में देखने में मिल रही है। तथाकथित फैंटेसी प्लेटफॉर्म को अक्सर क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नाम सपोर्ट करते दिखते हैं, लेकिन इसका बुरा परिणाम भी देखने को मिला है। देश में कुछ माता-पिता इस बात को लेकर चिंतित हैं। वे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर मामले में चुप्पी साधने का आरोप लगा रहे हैं। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक, किशोर और वयस्क आसानी से पैसे कमाने और मशहूर हस्तियों के विज्ञापन के भ्रम में उछलकर फैंटेसी गेमिंग इऔर सट्टेबाजी एप का शिकार हो रहे हैं। इसका नतीजा साफ दिख रहा हैं, वित्तीय संकट, पढ़ाई में गिरावट और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बढ़ती परेशानियां। 55 वर्षीय दिल्ली निवासी मनीष एक पिता हैं। उन्हें जब पता चला कि उनके 16 वर्षीय बेटे ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में 50 हजार रुपये उड़ा दिए हैं, तब उसके मोबाइल फोन से ऐसी तीन फैंटेसी एप हटा दी। पिता का सवाल है, हमारे क्रिकेट हीरो इतनी खतरनाक चीज का प्रचार क्यों कर रहे हैं? यह दिल तोड़ने वाला है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई पैसा कमाने में लगा हुआ है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि हमारे बच्चों के साथ क्या हो रहा है। शीर्ष क्रिकेटर इन एप का प्रचार कर रहे हैं और बोर्ड उन्हें रोक नहीं रहा। इनमें से कुछ प्लेटफॉर्म प्रमुख टूर्नामेंट्स को स्पॉन्सर भी कर रहे हैं। हाल ही में हुए एक मैच में हिस्सा लेने वाले एक परिवार को यह देखकर हैरानी हुए कि कई दर्शक अपने फोन पर खुलेआम सट्टा लगा रहे थे। एक अभिभावक ने कहा, हमने किशोरों को कॉल पर, स्टेडियम से लाइव बेट लगाते देखा।कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कभी-कभी आईपीएल जैसी लीग में अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, लेकिन अब ज्यादा बड़ा खतरा मोबाइल एप से है जो फैंटेसी गेमिंग की आड़ में खुलेआम काम करते हैं।आलोचकों का तर्क है कि दुनिया की सबसे धनी और सबसे प्रभावशाली क्रिकेट संस्था बीसीसीआई को इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। फिर भी बोर्ड की चुप्पी ने लोगों की चिंता को और बढ़ा दिया है, खासकर तब जब प्रमुख आईपीएल खिलाड़ी इन प्लेटफॉर्म्स के विज्ञापनों में दिखाई दे रहे हैं।

# सुप्रीम कोर्ट को मिले तीन नए जज, चीफ जस्टिस गवई ने दिलाई शपथ

### कॉलेजियम ने की थी सिफारिश, अब न्यायाधीशों की संख्या 34 हुई

**नई दिल्ली।**

भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने शुक्रवार को जस्टिस एन वी अंजनिया, जस्टिस विजय बिश्नोई और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई।

इसके बाद अब सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 हो गई है।

बता दें 29 मई को सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने इन तीनों जजों की नियुक्ति की सिफारिश की थी, जिसे बाद में केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी थी। इस संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से अधिसूचना भी जारी की गई थी।

न्यायमूर्ति एन वी अंजनिया पूर्व में कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे।

न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई पूर्व में गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर पूर्व में बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश थे। जस्टिस अंजनिया का कार्यकाल 23 मार्च 2030 तक रहेगा जस्टिस बिश्नोई का कार्यकाल 25 मार्च 2029 तक और जस्टिस चंदुरकर का कार्यकाल 7 अप्रैल, 2030 तक रहेगा।

न्यायमूर्ति अंजनिया का जन्म 23 मार्च, 1965 को अहमदाबाद में हुआ। उन्होंने 1989 में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ, अहमदाबाद से कानून में मास्टर डिग्री हासिल की थी।

उन्होंने 1988 में गुजरात हाईकोर्ट में अपने वकालत के करियर की शुरुआत की। न्यायमूर्ति अंजनिया ने 25 फरवरी, 2024 को कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। इससे पहले उन्हें 21 नवंबर, 2011 को गुजरात हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद छह सितंबर 2012 को उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया।

26 मार्च, 1964 को जोधपुर में जन्मे न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई ने 1989 में वकालत शुरु की थी। बिश्नोई ने 5 फरवरी 2024 को गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्हें 8 जनवरी, 2013 को राजस्थान हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया। इसके बाद 7 जनवरी, 2015 को उन्होंने हाईकोर्ट के स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

जस्टिस एएस चंदुरकर का जन्म 7 अप्रैल 1965 को हुआ था। कानून की डिग्री हासिल करने के बाद वे 21 जुलाई, 1988 को बार में शामिल हुए थे। इसके बाद वे 1992 में अदालत चले गए, जहां उन्होंने कई अदालतों में वकालत की।

# अमित शाह के दौरे के बीच कश्मीर में बड़ी कार्रवाई, टेरर नेटवर्क पर सीआईके ने कसा शिकंजा

**श्रीनगर।**

गृह मंत्री अमित शाह के दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे के बीच घाटी में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों की ओर से बड़े पैमाने पर कार्रवाई देखने को मिली है। अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए श्रीनगर पहुंचे गृह मंत्री के दौरे के समानांतर, कश्मीर पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस (सीआईके) यूनिट ने पुलवामा, शोपियां, बडगाम, श्रीनगर और बारामूला में आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की।

सीआईके द्वारा जारी बयान के अनुसार, ये अभियान आतंकवादी संगठनों के साथ कथित संबंध रखने वाले व्यक्तियों की पहचान और नेटवर्क को ध्वस्त करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा था। इन छापों के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड, मेमोरी कार्ड सहित कई संदिग्ध डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए। साथ ही शोपियां जिले के सैदपोरा क्षेत्र से 18 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है।

### 23 मई को हुई थी एसआईए की बड़ी कार्रवाई

इससे पहले 23 मई को राज्य जांच एजेंसी (एसआइए) ने जम्मू प्रांत के चार जिलों में 18 स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई थी। ये छापेमारी स्लीपर सेल्स को निष्क्रिय करने और टेरर इकोसिस्टम को तोड़ने के लिए की गई थी।

गृह मंत्री की उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक

अमित शाह के दौरे को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद बेहद अहम माना जा रहा है। राजभवन पहुंचने के तुरंत बाद उन्होंने जम्मू-कश्मीर की समग्र सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद रोधी अभियानों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

### पुंछ भी जाएंगे शाह, शहीदों को देंगे श्रद्धांजलि

गृह मंत्री शाह अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान पुंछ जिले का भी दौरा करेंगे। पुंछ वह इलाका है



जहां 7 से 10 मई के बीच पाकिस्तानी गोलाबारी और ड्रोन हमलों में 14 नागरिकों समेत 28 लोगों की मौत हुई थी। वहां वे स्थानीय लोगों से मुलाकात कर सुरक्षा हालात का जायजा भी लेंगे।

### सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

इन कार्रवाइयों से साफ है कि केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन आतंकवाद और उसके नेटवर्क के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी बरतने के मूड में नहीं है। घाटी में चल रहे इन समन्वित अभियानों का उद्देश्य अमरनाथ यात्रा से पहले क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाना और आम नागरिकों में विश्वास कायम करना है।

## बिहार में कार्यक्रम के दौरान किसानों का हंगामा, जमीन अधिग्रहण का उचित मुआवजा नहीं मिलने का आरोप

**पटना।**

पटना के फतुहा स्थित सुकुलपुर गांव में कार्यक्रम के दौरान किसानों ने जमीन अधिग्रहण मुआवजे को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री द्वारा बिक्रमगंज से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार में 48,500 करोड़ रुपए की योजनाओं के शिलान्यास के लिए हुआ था। कार्यक्रम में भाजपा नेता और पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने 1083 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाली रामनगर-कच्ची दरगाह खंड की 14.5 किलोमीटर सिक्स लेन सड़क का शिलान्यास किया। तभी मौजूद किसान उग्र हो गए और कार्यक्रम स्थल से बाहर आकर प्रदर्शन करने लगे। किसानों का कहना था कि सरकार उनकी जमीन का जबरन अधिग्रहण कर रही है। उन्हें निर्धारित सरकारी दर का चौगुना मुआवजा नहीं मिल रहा है। किसान महीनों से इस मांग को लेकर संघर्षरत हैं। स्थानीय नेताओं जैसे पूर्व मुखिया देवकुमार सिंह, अभिमन्यु यादव, इंजीनियर गोपाल शंकर और नरेशचंद्र यादव के समझाने पर किसान शांत हुए। रामकृपाल ने किसानों की मांगों को संबंधित वरीय अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में पटना सिटी एसडीओ सत्यम सहाय, एनएचएआई प्रबंधक अतुल पुंडीर, कार्यपालक अभियंता आलोक कुमार ठाकुर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

## कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये, व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस

**मथुरा।**

यमुना एक्सप्रेस वे पर कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये और साढ़े चार सौ ग्राम सोने के मामले में आयकर विभाग ने व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस दे दिया है। इस बारे में दो दिन में जवाब मांगा है। बात दें कि माधव कुंज कॉलोनी, मसानी रोड निवासी खण्डेलवाल सोने-चांदी की सप्लाई का व्यापार करता है। दीपक आगरा में सामान सप्लाई करने के बाद पेमेंट व बचा हुआ सोना लेकर अपनी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे।सूचना मिलने पर आयकर विभाग सक्रिय हुआ। आनन-फानन में थाना प्रभारी निरीक्षक मांट जसवीर सिंह और आयकर अधिकारी अपनी टीम के साथ यमुना एक्सप्रेस वे के मांट टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग में जुट गए। आयकर व पुलिस की संयुक्त टीम ने आगरा की ओर से आ रही स्विफ्ट कार को रोका गया। पूरी रात आयकर विभाग के अधिकारी खंडेलवाल से पूछताछ करते रहे लेकिन गाड़ी में मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये व 452 ग्राम सोने के बारे में दीपक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इस पर टीम ने सोना व नकदी सीज कर दी। आयकर अधिकारी ने बताया कि बरामद रुपये व सोने को फिलहाल मांट पुलिस के सुपुर्द किया है और खण्डेलवाल को नोटिस देकर बरामद रुपये व सोने के बाबत जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद आगामी कार्रवाई होगी। आयकर विभाग से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने एक्सप्रेस वे से काफी नकदी व सोना व्यापारी की कार से बरामद किया।

# भारत में 30 सालों तक सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बने रहने की क्षमता

### केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में रखे विचार

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य है और अगले 30 सालों तक दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बने रहने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि देश ने 6-7 फीसदी की निरंतर वृद्धि दर बनाए रखी है और स्थिर कीमतों पर इसे 8 फीसदी तक ले जाने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि आज भारत के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है, जो करीब 690 अरब डॉलर है। पिछले तीन महीनों से हमारी मुद्रास्फीति 4 फीसदी से नीचे बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने लिक्विडिटी और मुद्रा प्रबंधन को संतुलित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। केंद्रीय मंत्री ने भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उजागर किया। उन्होंने कहा कि पिछले 20-25 सालों में भारतीय कंपनियों ने लगभग 20 फीसदी सीएजीआर का रिटर्न दिया है, जिससे भारत एक अहम निवेश गंतव्य बन गया है। हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधों के माध्यम से विकास पथ पर वापस आ गए हैं।

उन्होंने विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर प्रगति की जानकारी दी, जिसमें यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूके, चार ईएफटीए देश और अमेरिका के साथ चल रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हम अमेरिका के साथ अपने द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर आगे बढ़ रहे हैं और यूरोपीय संघ के 27 देशों के समूह के साथ प्रगति कर रहे हैं। हमने न्यूजीलैंड के साथ भी बातचीत शुरू की है। ईएफटीए देशों ने अगले 15 सालों में भारत में 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है।

इसके कुल 500 अरब डॉलर के निवेश में तब्दील होने की उम्मीद है। इसके अलावा इस निवेश के इर्द-गिर्द जो बड़ा इकोसिस्टम बनाया जाएगा, उसमें 500 अरब डॉलर अतिरिक्त आकर्षित करने की क्षमता है। गोयल ने कहा कि हम छोटे लक्ष्य नहीं रख रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस आंकड़े में नॉर्वेजियन पेंशन फंड से निवेश शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया का पहला मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। उन्होंने भारत की निरंतर आर्थिक प्रगति पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी होगी।

## गोल्ड लोन को लेकर नए नियम छोटे ग्राहकों को ना

**नई दिल्ली।**

वित्त मंत्रालय ने कहा कि उसने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने वालों के हितों की रक्षा के लिए मानदंडों और तौर-तरीकों से संबंधित दिशानिर्देशों पर गौर किया है। यह निर्देश छोटे कर्जदारों को आरबीआई के प्रस्तावित नियमों से बाहर रखने के लिए सलाह देते हैं। इस निर्देश को लेकर तमिलनाडु में राजनीतिक दलों के विरोध के बावजूद वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसके लिए मार्गदर्शन दिया है। डीएफएस ने भी केंद्रीय बैंक को छोटे स्वर्ण ऋण लेने वालों की आवश्यकताओं का विचार करने की सलाह दी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने भी इस मुद्दे पर भारतीय रिजर्व बैंक को नए दिशा-निर्देशों में प्रस्तावित प्रतिबंधों पर पुनर्विचार करने की सलाह दी है। इसके बावजूद आरबीआई ने मसौदे में कहा है कि ऋणदाताओं को उपयुक्त नियमों का पालन करना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि सीमित स्वर्ण ऋण लेने वालों की आवश्यकताओं का ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही नीति निर्धारित सभी प्रक्रियाओं का विवरण ऋणदाताओं के लिए उपलब्ध होना चाहिए।

## देश में कोरोना के मामले बढ़े, एक दिन के नवजात की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव

**नई दिल्ली।**

देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सक्रिय मामलों की संख्या शुक्रवार को 1828 पहुंच गई। गुजराज के अहमदाबाद में एक दिन के नवजात की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसके बाद बच्चे को आईसीयू में रखा गया है। बीते सप्ताह बच्चे की मां भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थी, हालांकि अब उनकी रिपोर्ट निगेटिव है। इसके अलावा 8 महीने की एक बच्ची गुरुवार से ऑक्सीजन सपोर्ट पर है। वहीं, देश में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 15 हो गई है, इसमें सबसे ज्यादा 6 मौतें महाराष्ट्र में हैं। राज्य सरकार कोरोना के लिए इन्फ्लूएंजा और सांस से जुड़ी बीमारियों पर सर्वे करा रही है। उधर केरल में सक्रिय मामले 727 हो गए हैं। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने



बताया कि राज्य में ओमिक्रॉन जेएन वैरिएंट एलएफ 7 के मामले आ रहे हैं। है। महाराष्ट्र में 9 हजार से ज्यादा कोविड टेस्ट महाराष्ट्र सरकार ने बताया कि गुरुवार को कोविड के 79 नए मामले सामने आए। जबकि मुंबई में जनवरी 2025 से अब तक कुल 379 केस मिले हैं। जनवरी और फरवरी में एक-एक, अप्रैल में चार और मई में 373 मरीज मिले।

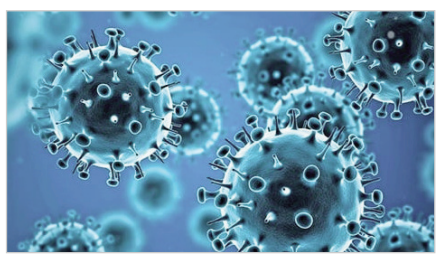

# भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता शीर्ष पर : अश्विनी वैष्णव

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता शीर्ष पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के मौके से स्टार्टअप्स को मदद मिलेगी। स्टार्टअप्स को इमेज एडिटिंग, डीप-टेक, अर्थ ऑब्जर्वेशन से लेकर कन्वर्सेशनल एआई तक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल प्रभावशाली समाधान बनाने में मदद मिलेगी।

इंडिया एआई मिशन ने इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव के लिए 10 स्टार्टअप को चुनने की घोषणा की है। भारत की एआई क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, फरवरी 2024 में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा ने न केवल उच्च-स्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता का संकेत दिया, बल्कि वैश्विक एआई मानदंडों और इनोवेशन डिप्लोमेसी को आकार देने के लिए भारत की मंशा को भी दिखाया।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत का एआई इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता के शिखर पर है। इस तरह की पहलों के माध्यम से, हम अपने सबसे बेहतरीन स्टार्टअप को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल, प्रभावशाली समाधान बनाने में सक्षम बना रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और इंडियाएआई मिशन के सीईओ अभिषेक सिंह के मुताबिक इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव एक कार्यक्रम से कहीं बढ़कर है।

उन्होंने कहा, यह भारत के टैलेंट और दुनिया के इनोवेशन हब के बीच एक पुल है। ये 10 स्टार्टअप भारतीय एआई की ताकत, विविधता और वैश्विक क्षमता का उदाहरण हैं। ग्लोबल एआई लीडर के रूप में हमें उनकी अगली बड़ी उपलब्धि का समर्थन करने पर गर्व है।

उन्होंने कहा, इन 10 स्टार्टअप को एक कठोर बहु-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना गया है और वे दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप कैंपस स्टेशन एफ में भारत के गतिशील एआई इनोवेशन इकोसिस्टम का प्रतिनिधित्व करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# पैसिव स्मोकिंग भी बन रही है मौत का कारण

**करीब दस प्रतिशत व्यक्ति तो ऐसे होते हैं, जो खुद धूम्रपान नहीं करते लेकिन पैसिव स्मोकिंग के शिकार बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो आगामी एक-दो वर्षों तक ही धूम्रपान की वजह से 50 करोड़ से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके होंगे और अगले 30 वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या प्रतिवर्ष 10 लाख से बढ़कर 70 लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है प्रतिवर्ष विश्वभर में 8000 से अधिक नवजात शिशु धूम्रपान के कारण असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है।**

(लेखिका- श्वेता गोयल) (अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष)

बचपन से ही हम पढ़ते-सुनते आए हैं कि धूम्रपान तथा तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं और शरीर में कैंसर तथा कई अन्य बीमारियों को जन्म देते हैं लेकिन यह जानने-समझने के बाद भी जब हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते और विभिन्न तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे व्यक्ति समझना ही नहीं चाहते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत नहीं पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली हनुमान की भांति समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है। धूम्रपान शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों से भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा करने के उद्देश्य से 'अपील का पर्दाफाश- तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है।

एक ओर जहां विकासशील देशों में धूम्रपान का प्रचलन बढ़ रहा है, वहीं अमेरिका सरीखे कुछ विकसित देशों में धूम्रपान के प्रचलन में तेजी से गिरावट आई है। 1965 में अमेरिका की 42 फीसदी आबादी धूम्रपान की आदी थी जबकि 1991 में यह संख्या घटकर 26 फीसदी रह गई और पिछले डेढ़ दशक में तो वहां धूम्रपान करने वालों की संख्या में और भी तेजी से गिरावट आई है। गहराई में जाने पर पता चलता है कि अमेरिका में सिगरेट की खपत में लगातार कमी आने की वजह से अमेरिका की सिगरेट कम्पनियों ने अपने घाटे की पूर्ति के लिए अपने उत्पादों को भारत तथा अन्य विकासशील देशों में खपाने की योजना बनाई और उसे इस कार्य में सफलता भी मिली। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना है जबकि एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। करीब दस प्रतिशत व्यक्ति तो ऐसे होते हैं, जो खुद धूम्रपान नहीं करते लेकिन पैसिव स्मोकिंग के शिकार बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो आगामी एक-दो वर्षों तक ही धूम्रपान की वजह से 50 करोड़ से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके होंगे और अगले 30 वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या प्रतिवर्ष 10 लाख से बढ़कर 70 लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है प्रतिवर्ष विश्वभर में 8000 से अधिक नवजात शिशु धूम्रपान के कारण असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान करने वालों को धूम्रपान न करने वालों की अपेक्षा फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना 15 गुना अधिक होती है।

नशे के दुष्प्रभावों पर छपी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में बताया गया है, ''सिगरेट के धुएं में करीब 4000 घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जिनमें पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि प्रमुख हैं, जो मानव शरीर पर तरह-तरह से दुष्प्रभाव डालते हैं। धूम्रपान से हृदय रोग, लकवा, हर प्रकार का कैंसर, मोतियाबिंद, नपुंसकता, बांझपन, पेट का अल्सर, एसीडिटी, दमा, ब्रोंकाइटिस, मिरगी, मेनिया, स्कीजोफेनिया जैसे घातक रोगों का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। धूम्रपान से मोतियाबिंद का खतरा बन जाता है और आंख की रेटीना प्रभावित होने लगती है, जिससे नेत्रज्योति कम होती जाती है। गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार प्रतिदिन 20 सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य से 20 प्रतिशत बढ़ जाती है जबकि 20 से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा 35 प्रतिशत तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका 30 प्रतिशत बढ़ जाती है।'' विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में 41 फीसदी पुरूष और 21 फीसदी स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ 8 फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या 50 फीसदी से भी अधिक है।

जहां तक हमारे यहां सिगरेट के पैकेटों पर लिखी वैधानिक चेतावनी का सवाल है तो यह कितनी असरकारक है, इससे कोई अपरिचित नहीं है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन एक पैकेट सिगरेट पीने वाला व्यक्ति अपने जीवन के 8 दिन कम कर लेता है, इसलिए सिगरेट के पैकेटों से वर्तमान वैधानिक चेतावनी को हटाकर यह लिख दिया जाना चाहिए कि इस पैकेट के उपयोग से आपके जीवन के 8 दिन कम हो जाएंगे। बहरहाल, तमाम स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शोधों का एक स्वर में यही कहना है कि धूम्रपान एक अत्यंत धीमा किन्तु प्राणघातक विष है, इसलिए स्वयं तो धूम्रपान से बचें ही, धूम्रपान के आदी लोगों को भी इस लत को छोड़ने के लिए प्रेरित करें।

(लेखिका डेढ़ दशक से शिक्षण क्षेत्र से जुड़ी हैं)

संपादकीय

## डेल्टा की घातकता

हाल के वर्षों में उन तमाम घटनाओं ने हर आम भारतीय को विचलित किया, जिसमें हमने लोगों को खेलते वक्त, दफ्तर में काम करते समय, मंच पर नृत्य करते अचानक बेहोश होकर गिरते देखा। इसे साइलेंट हार्ट अटैक के रूप में देखा गया। तुरत-फुरत अस्पताल ले जाने के बाद पता चला कि उस व्यक्ति की तो मृत्यु हो चुकी है। तब कुछ लोगों ने वैक्सीन के दुष्प्रभावों का जिक्र किया, लेकिन कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया। लेकिन अब एक भारतीय शोध में इस अचानक दिल की धड़कन बंद होने की वजह का पता लगाने का दावा किया गया है। यह तथ्य आईआईटी इंदौर और आईसीएमआर के सहयोग से किए गए नये शोध में सामने आया है। शोध बताता है कि कोविड-19 का डेल्टा वैरिएंट पिछले दिनों की साइलेंट हार्ट अटैक की घटनाओं की वजह बना है। साथ ही कुछ लोगों में थायराइड के अनियंत्रित होने की वजह भी इसी वैरिएंट को बताया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में, यह शोध 'जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय में हो रहा है जब कोविड-19 के एक नये वैरिएंट ने एशिया और अमेरिकी देशों में लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। भारत में भी कुछ मौतों के साथ इसके संक्रमण के बढ़ते मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दरअसल, आईआईटी इंदौर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साझे प्रयास से हुए शोध में 3134 मरीजों के जुटाए डेटा का उपयोग करके इसे अंजाम दिया गया। जिसमें कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान मूल वैरिएंट, अल्फा, बीटा, गामा व डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित रोगियों के शरीर के रसायनों में विभिन्न बदलावों से जुड़े डेटा का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक रसायनों में आए बदलाव के साथ ही स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़ों और कोलन सेल का भी विश्लेषण किया गया। हालिया शोध में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि डेल्टा वैरिएंट ने हार्मोन संतुलन बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभायी। दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलत- कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरे लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुई। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यत- हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचैनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल,यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है। चिकित्सक इस स्थिति से बचाव के लिये नियमित आधे घंटे टहलने, गैर-संक्रामक रोगों मसलन उच्च रक्तचाप व मधुमेह पर नियंत्रण, तली-भुनी चीजों व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से परहेज, सिगरेट-शराब से तौबा करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही साइलेंट हार्ट अटैक आने पर उसे तुरंत कार्डियो पल्मोनरी रिसैसिटेशन यानी सीपीआर देने की राय दे रहे हैं। जिसे लगातार देने से जान बचाने की कोशिश की जा सकती है। जिसको लेकर समाज में जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है, क्योंकि रोगी की जान बचाने में सहायक साबित हो सकता है।

# महारानी अहिल्याबाई होलकर

(लेखक- शिवप्रकाश / ईएमएस)

पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होल्कर 31 मई 1725 को अहमदनगर (अहिल्या नगर) के नाम से प्रसिद्ध जनपद के चौंडी गांव में जन्मी थी। यह वर्ष उनके जन्म का त्रिशताब्दी वर्ष हैद्य उनके सुशासन, लोक कल्याणकारी नीतियों एवं आसेतु हिमाचल सांस्कृतिक उत्थान के कार्यो को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनका 300 वाँ जयंती वर्ष संपूर्ण देश मना रहा है। समाज जीवन में सक्रिय अनेक सामाजिक संगठनों ने इस कार्य को बड़े उत्साहपूर्वक संपन्न किया है। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में 21 मई से 31 मई तक 10 दिवसीय अभियान लोकमाता अहिल्याबाई की स्मृति को समर्पित किया है। महारानी अहिल्याबाई होलकर के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं उनके प्रेरणा प्रद जीवन से प्रेरित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ग़रीब कल्याण की योजनाओं एवं卐विकास से विरासत卐 के उनके संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का काम भाजपा के कार्यकर्ता कर रहे है। बौद्धिक संवाद, प्रदर्शनी, छात्र-छात्राओं के बीच प्रतियोगिताएँ, मंदिरों व घाटों की स्वच्छता, आरती एवं शोभायात्राओं के माध्यम से यह कार्य संपन्न हो रहा है। राज्यों की सरकारे एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा भी अनेक योजनाओं एवं संस्थाओं का नाम महारानी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर किया गया है।

पश्चिमी विद्वानों ने भारत के संबंध में दुष्प्रचार करते हुए कहा कि 'हिन्दु शासन व्यवस्था अराजक थी' , जेम्स मिल ने लिखा था कि 'भारत नैतिक रूप से खोखला और स्वार्थी समाज था जो शासन योग्य नहीं था'। जबकि पश्चिमी देशों में धर्म के नाम पर भीषण अत्याचार हो रहे थे। तब भारत में महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने लोक कल्याणकारी धर्मराज्य की स्थापना की थी।

भारत में धर्म एक व्यापक कल्पना है . जो आर्थिक एवं नैतिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। धर्म व्यक्तिगत जीवन में अर्थोपार्जन एवं मानवीय गुणों के विकास से लेकर मोक्ष तक का मार्ग सिखाता है। वहीं शासनकर्ताओं के लिए आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने वाली नीतियों एवं योजनाओं तथा व्यक्तिगत जीवन में परस्पर आत्मीय व्यवहार, समाज , प्रकृति आदि के साथ अपना संबंध सिखाता है। इसी को ऋषि कणाद द्वारा वैशेषिक सूत्र में कहा गया है कि :

'यतो अभ्युदय निःश्रेयस सिद्धिः स धर्मः'

जो समाज में अभुदय ( भौतिक उन्नति) , निश्रेय ( आध्यात्मिक उन्नति) सिखाता है वही धर्म है।

भारत में धर्म के आधार पर चलने वाले शासन को ही आदर्श शासन माना गया है। जिसमें सभी सुखी एवं निरोगी हो। अर्थात भौतिक दृष्टि से आर्थिक समृद्ध , सभी को स्वस्थ जीवन प्रदान करने वाली नीतियाँ, परस्पर प्रेम, भय रहित वातावरण, सभी अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन कर सकें ऐसा वातावरण ही आदर्श राज्य का उदाहरण बना। ऐसा योग्य शासन प्रभु श्री राम ने दिया, इसलिए रामराज्य सभी के लिए आदर्श एवं अनुकरणीय राज्य हो गया। रामराज्य के इसी आदर्श का पालन करने का प्रयास सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज, सम्राट हर्षवर्धन जैसे अनेक राजाओं ने किया। विदेशी आक्रमणों के समय इन्हीं मूल्यों की रक्षा करने के लिए महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज सरीखे शासनकर्ताओं ने अपने प्राण को न्योछावर कर दिया। 300 वर्ष पूर्व महारानी अहिल्याबाई होल कर भी इन्हीं शाश्वत मूल्यों का पालन करने वाली महारानी थी।

महारानी अहिल्याबाई ने अपने ससुर की मृत्यु के पश्चात 1967 में मालवा राज्य का शासन संभाला। नर्मदा के प्रति भक्ति, व्यावसायिक एवं सामरिकता से उन्होंने अपनी राजधानी नर्मदा के तट पर महेश्वर को बनाया। 28 वर्ष उन्होंने अपनी मृत्यु पर्यन्त यह शासन सत्ता संभाली। किसानों के विकास की योजनाएं , भूमिहीन किसानों को भूमि प्रदान करना , जनजातीय विकास , अपने शासन को अपराध मुक्त करना , रोजगारपरक अर्थनीति , महिला सशक्तिकरण उसके लिए महेश्वरी साड़ी का निर्माण एवं सैनिक कल्याण उनके शासन की विशेषताएँ थीं। 500 महिलाओं की सैनिक टुकड़ी का निर्माण कर एक महिला फौज भी उन्होंने तैयार की थी। महेश्वर साड़ी आज भी उनकी महिला केंद्रित उद्योग नीति को दर्शाती है।प्रजा के प्रति वात्सल्य भाव के कारण उन्हें जनता ने लोकमाता की उपाधि प्रदान की थी।

अपने राज्य की आर्थिक उन्नति के साथ-साथ भारत के सांस्कृतिक उत्थान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मालवा राज्य की महारानी होने के बाद भी सांस्कृतिक उत्थान का कार्य उन्होंने आसेतु हिमाचल किया। जो उनकी अखिल भारतीय दृष्टि को प्रकट करता है। सभी धाम , सभी ज्योतिर्लिंग , समस्त शक्ति पीठ सहित असंख्य मंदिरों का निर्माण , नदियों के घाटों का निर्माण , यात्रियों के रुकने के लिए धर्मशालाओं की व्यवस्था यह उनके द्वारा होने वाले अतुलनीय कार्यों की श्रृंखला है। हिमालय में स्थित बद्रीनाथ , केदारनाथ, काशी स्थित भगवान श्री विश्वनाथ , सोमनाथ , द्वारिका, पुरी जगन्नाथ, रामेश्वरम, सभी के पुनर्निर्माण में उनकी भूमिका है। देश भर में उनके द्वारा कराए गए इन कार्यों की संख्या लगभग 12500 से अधिक है। इसका भी वैशिष्ट्य है कि यह कार्य उनको प्राप्त स्वयं की सम्पत्ति से कराया राजकोष से नहीं। संस्कृत पाठशाला का प्रारंभ एवं विद्वानों का सम्मान उनकी शिक्षा के प्रति गहरी रुचि को प्रकट करता है। शिवकामिनी अहिल्याबाई अपने शासन को शिव का शासन मानती थी। इस कारण उनकी शासन मुद्रा पर उनका नाम नहीं अपितु 'श्री शंकरः आज्ञे वरुणः' अंकित था। वह सर्वस्व त्यागी भाव से प्रजा सेवा ही प्रभु सेवा मानकर अपना शासन चलाती थीं। विदुर नीति में अच्छे राजा का वर्णन करते हुए कहा है -

'चक्षुषा मनसा वाचा कर्मणा च चतुर्विधम्।
प्रसादयति यो लोकं तं लोको नु प्रसीदति' ..

जो राजा नेत्र ,मन , वाणी और कर्म इन चारों से प्रजा को प्रसन्न करता है प्रजा उसी से प्रसन्न रहती है। इन्ही गुणों के कारण महारानी अहिल्याबाई होलकर को 'पुण्यश्लोक' उपाधि से विभूषित किया गया।

महारानी अहिल्याबाई की 300 वीं जयंती पर हम सुशासन एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण के केंद्र बनकर विश्वकल्याण के प्रति प्रतिबद्ध हों। यही लोकमाता अहिल्याबाई के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक- भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।)

(चिंतन-मनन)

# धर्म का अर्थ

चिंतन मनन

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा- कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

विचार मंथन

# संसद के दोनों सदनों मे महासचिव पद पर असंवैधानिक नियुक्ति?

(लेखक- सनत जैन )

- भारत के लोकतंत्र की आत्मा संसद है

संसद की प्रशासनिक रीढ़ उसका सचिवालय और निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 98 मे स्पष्ट रूप से लोकसभा और राज्यसभा के लिए स्वतंत्र सचिवालय सेवा की स्थापना, कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रक्रिया और प्रशासनिक स्वायत्तता सुनिश्चित करता है। यह प्रावधान संसद को कार्यपालिका से स्वतंत्र बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया था। पिछले दो दशकों से, इस संवैधानिक भावना एवं नियमों की खुली अवहेलना हो रही है। जिसके कारण संवैधानिक अधिकारों की रक्षा संभव नहीं हो पा रही है। लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे सर्वोच्च प्रशासनिक पदों पर संविधान का उल्लंघन करते हुए अब भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) या भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारियों की नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं। यह पद संसदीय सचिवालय सेवा के वरिष्ठतम अधिकारियों के लिए सुरक्षित माने जाते थे। सचिवालय के सारे अधिकार लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा में सभापति के अधीन होते हैं। अब यहपरंपरा और अधिकार एक तरह से समाप्त होता जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है। बल्कि लोकतंत्र के स्तंभों की स्वतंत्रता के सिद्धांत को समाप्त करते हुए, सीधे-सीधे संविधान का उल्लंघन है। पूर्व में संसद सचिवालय सेवा से जुड़े विद्वान अधिकरी जैसे सुभाष कश्यप या योगेंद्र नारायण जैसे अधिकारियों ने इन पदों की गरिमा को स्थापित किया। संविधान और सांसदों के अधिकारों की रक्षा करते हुए नियम और कानूनों को बनाने में बेहतर योगदान दिया। जिसके कारण भारत की संसदीय परंपरा सारी दुनिया में स्थापित हुई। सारी दुनिया में संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर भारत का एक विशेष स्थान बना। वर्तमान में राजनीतिक कृपा प्राप्त अधिकारियों के कारण क्षीण होती जा रही है। आईएएस या अन्य सेवाओं के अधिकारी कार्यपालिका से सीधे जुड़े होते हैं। संसद के सचिवालय में उनकी नियुक्ति सत्ता के नियंत्रण का द्वार खोल देती है। वह सत्ता में बैठे हुए लोगों के इशारे में काम करते हैं। जिसके कारण संसदीय परंपराएं एवं संविधान की मूल भावना धीरे-धीरे खत्म होती जा रही हैं। सांसदों के अधिकार सीमित होते जा रहे हैं। जिस तरह से नियम और कानून संसद में बनाए जा रहे हैं। हो-हल्ले के बीच कानूनों को पास किया जा रहा है। संसद के अधिकार सरकार के जिम्मे किये जा रहे हैं। संसदीय नियमों की अवहेलना हो रही है। बार-बार नियमों मे संशोधन हो रहे हैं। जिसके कारण संसद, सांसदों, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की गरिमा भी तेजी के साथ कम होती जा रही है। यह स्थिति न केवल संविधान का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय समितियों की निष्पक्षता और उनकी स्वतंत्रता पर भी कुठाराघात है। महासचिव जैसे पद पर बैठा अधिकारी सरकार से प्रभावित है। सरकार के कहने पर वह निर्णय कर रहा है। संसद की रिपोर्टों को सरकार को लीक करता है, या रोकता है। सांसदों की टिप्पणियों को दबा रहा है। संसदीय प्रक्रियाओं को पक्षपातपूर्ण सरकार के दबाव में उनमें बदलाव कर रहा है। इससे संसद की स्वतंत्रता, संविधान के प्रति जवाबदेही, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की शक्ति को कमजोर किया जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है, संसद के भीतर की नियुक्तियों में पारदर्शिता एवं संवैधानिक अनुशासन की पुनर्स्थापना हो। सुप्रीम कोर्ट और संसद की आंतरिक समितियों को इस गंभीर उल्लंघन पर संज्ञान लेना चाहिए। लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है, जब उसके स्तंभ स्वतंत्र और संवैधानिक मर्यादा के अधीन हों। पिछले एक दशक में सरकार द्वारा बहुमत के आधार पर जिस तरह से संसद की कार्यवाही संचालित की जा रही है लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति आंख मूंदकर सरकार की बात को मानकर संसद की कार्यवाही को बहुमत के आधार पर चला रहे हैं। उसके परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय में सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा के सचिवालय में कार्यपालिका के अधिकारियों कर्मचारियों की नियुक्ति की जा रही है। लोकसभा और राज्यसभा में तैनात सुरक्षा बल गृह मंत्रालय के अधीन आते हैं लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे पद प्रशासनिक अधिकारियों के पास पहुंच गए हैं। जिनकी चाबी सरकार के पास होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## छोटे कर्जदार आरबीआई के स्वर्ण ऋण मानदंडों से होंगे बाहर

**ऋणदाताओं को उपयुक्त नियमों का पालन करना होगा**

**नई दिल्ली।** वित्त मंत्रालय ने कहा कि उसने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने वालों के हितों की रक्षा के लिए मानदंडों और तौर-तरीकों से संबंधित दिशानिर्देशों पर गौर किया है। यह निर्देश छोटे कर्जदारों को आरबीआई के प्रस्तावित नियमों से बाहर रखने के लिए सलाह देते हैं। इस निर्देश को लेकर तमिलनाडु में राजनीतिक दलों के विरोध के बावजूद वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसके लिए मार्गदर्शन दिया है। डीएफएस ने भी केंद्रीय बैंक को छोटे स्वर्ण ऋण लेने वालों की आवश्यकताओं का विचार करने की सलाह दी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने भी इस मुद्दे पर भारतीय रिजर्व बैंक को नए दिशा-निर्देशों में प्रस्तावित प्रतिबंधों पर पुनर्विचार करने की सलाह दी है। इसके बावजूद आरबीआई ने मसौदे में कहा है कि ऋणदाताओं को उपयुक्त नियमों का पालन करना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि सीमित स्वर्ण ऋण लेने वालों की आवश्यकताओं का ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही नीति निर्धारित सभी प्रक्रियाओं का विवरण ऋणदाताओं के लिए उपलब्ध होना चाहिए।

## इंडिगो चालू 10 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी: सीईओ

**नई दिल्ली।**

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने घोषणा की कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लंदन, एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने का निश्चय लिया है। इनमें शामिल हैं एम्स्टर्डम, मैनचेस्टर, कोपेनहेगन, सिएम रीप, और मध्य एशिया के कुछ स्थान। एल्बर्स ने विमानन क्षेत्र में भारत के स्थायी आधार की तारीफ की और कहा कि इंडिगो के लिए यह एक बड़ा क्षेत्र है जहां वे अब और अधिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित हैं। कंपनी ने हाल ही में मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए बोइंग 787-9 विमान के साथ सीधी उड़ानें प्रारंभ की है। इसके साथ ही इंडिगो ने इस साल की आय को 10 अरब अमेरिकी डॉलर पार कर लिया है। कंपनी व्यापक सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ रोजाना 2,300 से अधिक उड़ानें संचालित करती है, जिससे इसे एक अग्रणी विमानन कंपनी बनाता है।

## आरबीआई का बड़ा फैसला: पुराने और कटे-फटे नोटों से बनेगा पार्टिकल बोर्ड

**नई दिल्ली।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारत के हर राज्य में बदलते मौसम और परिवेश के चलते होने वाली नोटों की मुद्रा को संभालकर रखने के लिए एक अनोखा कदम उठाया है। लंबे समय तक निष्क्रिय रखे गए पुराने, गले, और कटे-फटे नोटों का निपटारा करने के लिए आरबीआई ने पार्टिकल बोर्ड बनाने का फैसला लिया है। हर साल आरबीआई के पास 15,000 टन से अधिक के ऐसे बर्बाद हो चुके नोट जमा होते हैं, जो प्रदूषित हो चुके होते हैं या अन्य कारणों से उपयोग न होने पर बाहर कर दिए जाते हैं। पहले ये नोट जला दिए जाते थे, लेकिन अब आरबीआई इन नोटों को पार्टिकल बोर्ड में बदलकर कंपनियों को बेचेगा। यह प्रक्रिया कंपनियों को सस्ता और टिकाऊ कच्चा माल प्रदान करेगी, साथ ही आरबीआई के लिए भी नुकसान कम होगा। पार्टिकल बोर्ड निर्माण कंपनियों से इनका सम्पर्क करने में आरबीआई की विशेष महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिससे पर्यावरण के हित में अधिक समाधान हो सके। इस कदम से न केवल नोटों की मात्रा कम होगी, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

# भारत में बनी सेमीकंडक्टर चिप इस साल बाजार में आएगी : केंद्रीय मंत्री

**भारत में किया जा रहा है सेमीकंडक्टर प्लांट्स का निर्माण**

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि पहली मेड इन इंडिया 28-90 एनएम की सेमीकंडक्टर चिप इस साल बाजार में लॉन्च होगी। उन्होंने सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में बताया कि भारत में सेमीकंडक्टर प्लांट्स का निर्माण हो रहा है और इस चिप का उपयोग ऑटोमोटिव, दूरसंचार, बिजली और ट्रेनों में किया जाता है।

केंद्रीय मंत्री ने देश में मॉडलों के विकास के लिए राष्ट्रीय समृद्धि को बढ़ाने के लिए भारतीय संस्कृति, भाषाओं और सामाजिक मानदंडों पर एआई के योगदान को महत्व दिया। जिससे भारत को उद्योग और क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाने में सहायक हो सकता है। रेल मंत्रालय के कार्यभार संभालने वाले वैष्णव ने भी बताया कि मालवाहक और यात्री वहन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे भारत ने विश्व में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। इस विकास के साथ भारत का नाम विश्व में उच्च स्थान पर ऊंचा किया गया है। नए और नवाचारी चिप्स के लॉन्च से देश के आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में नए दिशानिर्देश बने हैं और भारतीय उद्योग को विश्वस्तरीय मानकों पर पहुंचाने के लिए तैयारी में है। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के रेल मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाले वैष्णव ने कहा द्वस्र हमने 1,612 मिलियन टन माल की ढुलाई के साथ अमेरिका और रूस को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में दूसरे सबसे बड़े मालवाहक रेलवे बनने की बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारी यात्री वहन क्षमता में भी काफी वृद्धि हुई है। हम उस स्तर पर पहुंच गए हैं जहां सपने पूरे हो रहे हैं और लक्ष्य हासिल किए जा रहे हैं।

## अब पाकिस्तान भी कैशलेस इकॉनमी की ओर दे रहा ध्यान

**कुछ सेक्टरों में कैश भुगतान को अकेले करने के भी बन रहे हैं प्रस्ताव**

**नई दिल्ली।**

पाकिस्तान में अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कैशलेस इकॉनमी की ओर ध्यान दिया जा रहा है। प्री-बजट चर्चा में पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने कर का लोड हटाकर अन्य वर्गों पर डालने का वादा किया है। बजट 2025-26 के लिए 2 जून को पेश हो सकता है। पाकिस्तानी सरकार डिजिटाइजेशन को बढ़ाने का निर्णय लेने के लिए कैशलेस भुगतान पर भारत की तरफ ध्यान दे रही है। इसके तहत कैश लेनदेन पर टैक्स और डिजिटल पेमेंट पर इंसेंटिव देने के साथ कुछ सेक्टोरों में कैश भुगतान को अकेले करने के प्रस्ताव भी बन रहे हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की दरिद्रता बढ़ रही है, जिसके लिए वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से फिर लोन की मांग कर रही है। दूसरी ओर, भारत ने अपने पासिव डिजिटल इकोसिस्टम को पूरी तरह से विकसित किया है और यूपीआई के माध्यम से देशों रहने की लेनदेन में बढ़ोतरी की है। इस संबंध में भारत के साथ ही भूटान, मलेशिया, यूएई, और अन्य देशों में भी सुविधा उपलब्ध है। पाकिस्तान के प्रयासों का परिणाम स्थितियों में सुधार लाने में मददगार साबित हो सकता है, लेकिन स्थायी समृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि देश अपने स्वतंत्र लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुम्बई।**

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद आज 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182.01 अंक (0.22फीसदी) की गिरावट के साथ 81,451.01 अंकों पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 82.90 अंक तकरीबन 0.33 फीसदी टूटकर 24,750.70 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। आज सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आकर हरे निशान पर बंद हुए और बाकी की सभी 25 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ नीच आये और लाल निशान पर हुए। वहीं दूसरी ओर, आज निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 7 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 42 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 4.95 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज्यादा 1.95 फीसदी की गिरावट रही। इनके अलावा, आज भारतीय स्टेट बैंक के शेयर 1.98 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.68 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.64 फीसदी और बजाज फिनसर्व के शेयर 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा के शेयर 1.73 फीसदी, इंफोसिस 1.54 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.53 फीसदी, एनटीपीसी 1.53 फीसदी, सनफार्मा 1.40 फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.29 फीसदी, टाटा स्टील 1.29 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.24 फीसदी, पावरग्रिड 1.14 फीसदी नीचे आकर बंद हुए।

इनके अलावा आज टाइटन, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले।

अमेरिका की अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए सबसे बड़े टैरिफ को अस्थायी रूप से फिर से लागू कर दिया है। इससे आईटी स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिला और बाजार नीचे की तरफ फिसल गया। वहीं ऐ शियाई एशियाई बाजारों में गिरावट आई। धीमी होती अमेरिकी अर्थव्यवस्था, लगातार मुद्रास्फीति की आशंका और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल' टैरिफ को लेकर कानूनी अनिश्चितता ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। निक्केई में 1.48 फीसदी की गिरावट आई। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स में 0.8 फीसदी की गिरावट रही। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.18 फीसदी की गिरावट आई और एएसएक्स 200 में 0.19 फीसदी की गिरावट आई। दूसरी ओर अमेरिकी बाजार के सभी तीन प्रमुख इंडेक्स उच्च स्तर पर बंद हुए।

# सोने का भाव 95,700 और चांदी लगभग 97,200 रुपए किलो

**विदेशी बाजार में सोना 3,315.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला**

**नई दिल्ली।**

सोने-चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को शुरुआत में नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में आज सोने के भाव 95,700 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी सुस्ती के साथ कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 660 रुपये की गिरावट के साथ 95,799 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,459 रुपये था। इस समय यह 729 रुपये की गिरावट के साथ 95,730 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 574 रुपये की गिरावट के साथ 97,252 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,826 रुपये था। इस समय यह 606 रुपये की गिरावट के साथ 97,220 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है।

कॉमेक्स पर सोना 3,315.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,317.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 18.29 डॉलर की गिरावट के साथ 3,299.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.45 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.42 डॉलर था। इस समय यह 0.21 डॉलर की गिरावट के साथ 33.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

## ओयो अपनी मूल कंपनी का बदलेगी नाम, मांगे सुझाव

**विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा**

**नई दिल्ली।**

भारतीय उद्यमी और ओयो के संस्थापक ने अपनी मूल कंपनी ऑरेवेल स्टे के लिए नए नाम के सुझाव मांगने के रूप में अपनी तरफ से एक सार्वजनिक आमंत्रण जारी किया है। ओयो जल्द ही अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बना रही है, और इसके साथ ही प्रीमियम खंड में उतारने की भी तैयारी कर रही है। उन्होंने एक नई पहचान बनाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर नाम के सुझाव मांगने का तरीका अपनाया है। इस प्रक्रिया के दौरान विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा और उन्हें ओयो के संस्थापक से मिलने का भी अवसर मिलेगा। उनका कहना है कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल श्रृंखला नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं - बल्कि शहरी नवाचार एवं आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी। ओयो अपने प्रीमियम होटल और 'मिड-मार्केट' सेगमेंट के लिए अलग ऐप की योजना बना रही है, क्योंकि इस खंड में वृद्धि का सुझाव है।

## पहले बैंकों की ब्याज दरें जानें फिर करें एफडी!

**निवेश से पहले बैंकों की प्रस्तावित योजनाओं और शर्तों की जांच करना जरूरी**

**नई दिल्ली।** एक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करना एक सुरक्षित और आसान तरीका है अपने पैसे को बढ़ाने का। लेकिन अगर आप इसे सरकारी बैंक या निजी बैंक में करना चाहते हैं, तो यह जानकारी बहुत महत्वपूर्ण है। यहां देश के कुछ प्रमुख बैंकों की एफडी ब्याज दरों की जानकारी दी गई है। सरकारी बैंकों में एसबीआई, पीएनबी, यूनियन बैंक आफ इंडिया, बैंक आफ बड़ौदा और बैंक आफ इंडिया जैसे बैंकों में एफडी करने पर आपको 2 लाख रुपये के निवेश पर मैच्योरिटी पर 6.5 से 6.8 फीसदी की ब्याज दर पर एक अच्छी रिटर्न मिल सकता है। वहीं निजी बैंकों में एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, ऐक्सिस, फेडरल और आईडीबीआई जैसे बैंकों में एफडी करने पर भी आपको 6.70 से 6.85 फीसदी तक की ब्याज दर पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। निवेश का निर्णय लेने से पहले आपको बैंकों की विभिन्न प्रस्तावित योजनाओं और शर्तों की जांच करनी चाहिए। इसके साथ ही आपको अपने निवेश के लक्ष्य, आवश्यकताएं, और वित्तीय स्थिति को भी ध्यान में रखना चाहिए। यह सुनिश्चित करेगा कि आप एक सही निवेश निर्णय लेते हैं और अपने पैसे को सुरक्षित रखते हैं।

# भारतीय कागज विनिर्माता संघ ने बढ़ते आयात पर चिंता व्यक्त की

**वित्त वर्ष 2024-25 में कागज, पेपरबोर्ड का आयात 20.5 लाख टन के पार**

**नई दिल्ली।**

भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आईपीएमए) ने बढ़ते आयात पर चिंता जताते हुए कहा कि चीन से आयात में 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2024-25 में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात रिकॉर्ड 20.5 लाख टन हो गया। आईपीएमए ने कहा कि आयात में यह वृद्धि घरेलू कागज उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। इससे घरेलू उद्योग की वृद्धि क्षमता पर असर पड़ा है और क्षमता विस्तार में निवेश पर संकट उत्पन्न हुआ है। भारतीय कागज विनिर्माता संघ ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले चार वर्ष में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात दोगुना से अधिक होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 20.5 लाख टन हो गया।

यह वित्त वर्ष 2020-21 में 10.8 लाख टन था। आईपीएमए ने कहा कि भारत में कुल कागज एवं पेपरबोर्ड आयात में चीन की हिस्सेदारी अब 27 प्रतिशत और आसियान समूह की 20 प्रतिशत है। मूल्य के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात करीब 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। आईपीएमए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कागज के आयात में लगातार वृद्धि घरेलू कागज उद्योग के लिए चिंता का विषय है, जिसने क्षमता निर्माण और स्थिरता पहलों में काफी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि आयात ने भारत में अधिकतर छोटी एवं मध्यम कागज मिल को व्यावसायिक रूप से अव्यवहारिक बना दिया है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार देश में 850-900 से अधिक कागज मिल में से केवल 550 ही अब चालू हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह गुणवत्ता नियंत्रण के कड़े उपायों को लागू करे तथा व्यापार समझौतों की समीक्षा करे जो कागज आयात के लिए शुल्क-मुक्त या कम-शुल्क पहुंच प्रदान करते हैं।

## भुगतान फिनटेक कंपनियों पर बढ़ सकती है नियामकीय सख्ती

**कंपनियों पर क्रेडिट कार्ड शुल्क ढांचे के दुरुपयोग करने का आरोप!**

**नई दिल्ली।**

भारत के बिजनेस सेक्टर में एक नया मुद्दा सामने आया है जिसमें भुगतान फिनटेक कंपनियों को व्यापारियों के वर्गीकरण मामले में नियामकीय सख्ती का सामना करना पड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार ये कंपनियां क्रेडिट कार्ड शुल्क ढांचे का दुरुपयोग कर व्यापारियों का गलत वर्गीकरण कर रही हैं। इसके परिणामस्वरूप कार्ड नेटवर्क द्वारा इंटरचेंज शुल्क दरों में बदलाव किया जा रहा है। इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी संज्ञान लिया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार उसका कोई आधिकारिक जवाब अभी तक नहीं आया है। इसे लेकर कार्ड नेटवर्क प्लेटफॉर्म ने पहले से ही कदम उठाया है और यूटिलिटी मर्चेंट कैटेगरी कोड के लिए इंटरचेंज शुल्क में बढ़ोतरी की है। यह संभावना है कि अब वीजा भी इस पर कदम उठा सकता है और इससे भुगतान के मामले में अहम बदलाव आ सकता है। उस अधिकारी ने कहा कि इंटरचेंज शुल्क में वृद्धि का कारण है यह कि कई फिनटेक फर्मों ने इसे अपना कारोबारी मॉडल बना लिया है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में 53 ऑनलाइन भुगतान एग्रीगेटर कार्यरत हैं लेकिन कई कंपनियों का यह मानना है कि इंटरचेंज शुल्क में वृद्धि करने से उपभोक्ताओं पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। अब इस मामले पर आगे क्या निर्णय लिया जाता है, इसे देखने के लिए लोग बेताब हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, फिलहाल 53 ऑनलाइन भुगतान एग्रीगेटर हैं। मगर कई कंपनियों ने माना कि एमसीसी के लिए इंटरचेंज शुल्क में वृद्धि किए जाने से उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा। इस मामले से अवगत एक अन्य सूत्र ने बताया कि बुनियादी यूटिलिटी सेवा के लिए क्रेडिट कार्ड के जरिये किए गए लेनदेन पर 1.85 फीसदी का इंटरचेंज शुल्क काफी अधिक है। ज्यादा इंटरचेंज शुल्क होने पर आगे क्रेडिट कार्ड का उपयोग कम हो सकता है।

## सुरक्षा मानकों को फॉलो नहीं करती पाक की कार कंपनियां

**इस्लामाबाद।**

पाकिस्तान की कार बनाने वाली कंपनियां वैश्विक सुरक्षा मानकों में से अधिकांश को फॉलो नहीं करती हैं। खुद पाकिस्तान ने बात स्वीकार की है। इंडस्ट्री और प्रोडक्शन पर पाकिस्तानी संसद की स्टैंडिंग कमिटी की बैठक में कहा गया कि पाकिस्तान की कार निर्माता कंपनियां 200 वैश्विक सुरक्षा मानकों में से केवल 18 को फॉलो करती हैं, बाकी 182 मानकों की पूरी तरह से अनदेखी की जाती है। कमिटी के अध्यक्ष ने तो अपने कार निर्माताओं की आलोचना करते हुए भारत की तारीफ भी की है। पाकिस्तान के स्थानीय अखबार जियो टीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्टैंडिंग कमिटी ने पाकिस्तान में बन रही असुरक्षित गाड़ियों पर चिंता जाहिर की। उन्होंने मांग की कि जो कंपनियां वैश्विक सुरक्षा मानकों को इग्नोर कर रही हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। बैठक के दौरान पाकिस्तानी अधिकारियों ने पाकिस्तान में बढ़ रहे कार एक्सीडेंट पर चिंता जताई। कमिटी के अध्यक्ष सैय्यद हफीजुद्दीन ने कहा कि पाकिस्तान में बड़े ट्रैफिक एक्सीडेंट्स हो रहे हैं और गाड़ी बनाने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी है कि वो सुरक्षा मानकों को लागू करें। उन्होंने भारत का नाम लेते हुए आगे कहा, सुरक्षा मानकों में कमी और गाड़ियों की गुणवत्ता खराब होने के चलते, हम गाड़ी निर्यात नहीं कर पा रहे हैं। जबकि, अगर आप हमारे पड़ोसी भारत और चीन को देखें तो ये देश गाड़ियों को बड़े निर्यातक बन गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि कार निर्माता सुरक्षा मानकों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन कर रहे हैं और ऐसा भी नहीं है कि उनके कार की कीमत कम है बल्कि वो अंतरराष्ट्रीय स्तर से ज्यादा कीमत पर ही कार बेच रहे हैं।

## गूगल ने अपने टॉप कर्मचारी को रोकने के लिए दिए 100 मिलियन डॉलर

**नई दिल्ली।**

किसी कंपनी का कर्मचारी बहुत काबिल हो और वह अन्य कंपनी से जुड़ने वाला हो, जो कॉम्पिटीशन दे सकती है तो उसे रोकना कंपनी के जरूरी हो जाता है।

इसके लिए वह कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हो जाती है। ऐसा ही एक मामला 2011 का है, जब गूगल ने अपने एक कर्मचारी को ट्विटर टीम का हिस्सा बनने से रोकने के लिए बहुत बड़ी रकम का भुगतान किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गूगल के हाई-प्रोफाइल कर्मचारी नील मोहन जो गूगल में बड़े पद पर थे। वे गूगल में ऐड प्रोडक्ट्स टीम को लीड कर रहे थे और माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर (अब एक्स) उन्हें अपने चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर के तौर पर जॉब ऑफर किया था। जैसे ही गूगल को इस बात की भनक लगी तो कंपनी ने उन्हें रोकने के लिए भारी-भरकम रकम की पेशकश कर दी। बता दें, नील मोहन अब कंपनी की लोकप्रिय सेवा यूट्यूब के सीईओ हैं। गूगल का यह राज एक पॉडकास्ट में बातचीत में सामने आया जिसमें किस तरह टेक कंपनियों के बीच जबरदस्त कॉम्पिटीशन देखने को मिलता है और वे टैलेंट को अपने पास रोककर रखना चाहते हैं। पॉडकास्ट में कहा गया है मुझे याद है कि गूगल ने नील को जॉब ना छोड़ने के लिए 10 करोड़ डॉलर ऑफर किए थे।

नील मोहन को ट्विटर में जाने से रोकने के लिए गूगल ने उन्हें 100 मिलियन डॉलर के स्टॉक ऑप्शंस ऑफर किए थे, यह एक तरह से भविष्य में मिलने वाला बोनस था और इसके लिए जरूरी शर्त ये थी कि वे कंपनी के साथ बने रहें। यह प्रपोजल इतना अच्छा था कि मोहन ने ट्विटर का ऑफर ठुकरा दिया और गूगल की टीम में बने रहे। बता दें गूगल को डर था कि अगर कोई सीनियर लीडर ट्विटर जैसी कंपनी में चला गया, तो इससे उसके बिजनेस को खासकर विज्ञापन क्षेत्र में जो गूगल की कमाई का सबसे बड़ा जरिया है, नुकसान हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## आईपीएल में रोहित का प्रदर्शन रहा सामान्य

**नई दिल्ली।**

आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाजा रोहित शर्मा अधिक सफल नहीं रहे हैं। रोहित ने लीग स्तर की 13 पारियों में दो अर्धशतकों के साथ ही केवल 350 रन ही बनाये हैं। बात अगर रोहित शर्मा के प्लेऑफ के आंकड़ों की करें तो यह मुंबई इंडियंस के प्रशंसक और भी निराश होंगे। रोहित का 21 प्लेऑफ मुकाबलों में औसत मात्र 15.8 का रहा है, वहीं स्ट्राइक रेट 108.96 का। उन्होंने इस दौरान 2 अर्धशतकों के साथ 316 ही रन बनाए हैं। रोहित का प्लेऑफ ऑफ में प्रदर्शन विराट कोहली से भी पीछे रहा है।विराट कोहली ने प्लेऑफ की 16 पारियों में 120.89 के स्ट्राइक रेट के साथ 353 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 70 रनों का रहा है। वहीं शुभमन गिल इस मामले में विराट और रोहित से काफी आगे है। शुभमन ने 10 प्लेऑफ मुकाबलों में 145.4 के स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाये जबकि रोहत ने 350 से भी कम रन बनाये हैं।

# आईपीएल में नजर आये कई उतार चढ़ाव, युवा कप्तान सफल हुए

### खोज साबित हुए वैभव, आयुष जैसे खिलाड़ी

**मुम्बई।**

आईपीएल के इस सत्र में कई उतार-चढ़ाव आये। जहां पांच बार की खिताब विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और तफानी बल्लेबाजी के लिए जानी जानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद असफल रही। वहीं पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस जैसे टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया। इसे अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) व मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन भी ठीक रहा जबकि धमाकेदार शुरुआत के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स असफल रही। राजस्थान रॉयल का प्रदर्शन भी खराब रहा। लीग में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी वह 17 साल के आयुष महात्रे नई खोज साबित हुए। इस दोनो ने ही अपनी बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया। सत्र में अक्षर पटेल और श्रेयस अय्यर के साथ शुभमन गिल ने नई सोच को प्रशंसकों के सामने रखा जबकि पुराने कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और पैट कमिंस पूरी तरह से संघर्ष करते दिखे। लीग के अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत विफल रहे। वह अंतिम लीग मुकाबले में हालांकि शतक लगाने में सफल रहे। अक्षर पटेल की दिल्ली कैपिटल्स अच्छी शुरूआत के बाद पटरी से उतरी गयी। पूर्व विजेता चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का बेहद खराब रहा और सनराइजर्स हैदराबाद ने पूरे टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन किया. रॉयल्स के वैभव जब पिछले दिसंबर में 'मेगा नीलामी' में चुने गए थे तो उनकी उम्र 13 साल थी और मई में 14 साल की उम्र में वह गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंद पर आईपीएल में सबसे तेज शतक और अब तक दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने अपने शानदार स्ट्रोक प्ले और जोश से खेल के दिग्गजों का दिल जीत लिया। इस सूची में पंजाब किंग्स के 'अनकैप्ड' प्रियांश आर्य भी शामिल थे जिन्होंने अपना पहला आईपीएल शतक लगाया।

प्रभसिमरन सिंह ने भी दिखाया कि उनमें दम है जबकि आयुष म्हात्रे ने अपने प्रदर्शन से चेन्नई सुपर किंग्स की उम्मीदें जगायीं। युवा सुदर्शन ने दिखाया कि जोखिम लिए बिना भी रन जुटाए जा सकते हैं। पिछले साल की उपविजेता एसआरएच सबसे खतरनाक बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ उतरी थी लेकिन उसका आक्रामक रवैया पूरी तरह विफल रहा।

युव ऑलराउंडरन नितीश कुमार रेड्डी ने काफी हद तक निराश किया और पावरप्ले में गेंदबाजी करने के लिए एक बेहतरीन स्पिनर नहीं होने से उन्हें नुकसान हुआ। सीएसके ने इस साल सबक सीखा क्योंकि उसे युवा प्रतिभाओं को बेंच पर रखने और सिर्फ धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की अपनी रणनीति को छोड़ना पड़ा। संजू सैमसन की फिटनेस और अन्य खिलाड़ियों में जज्बे की कमी के कारण टीम निचले स्थान पर रही सीएसके से ऊपर रह। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे अकेले दम पर जमे रहे, लेकिन फ्रेंचाइजी के सबसे महंगे खिलाड़ी और उप-कप्तान वेंकटेश अय्यर के लिए सत्र काफी खराब रहा।

# श्रेयस अय्यर ने आरसीबी के खिलाफ हार के लिए खराब बल्लेबाजी को कारण बताया

**नई दिल्ली।**

पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल के पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से मिली हार पर निराशा जतायी है। श्रेयस ने इसके लिए टीम की खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया है। श्रेयस ने कहा है कि हमने एक अवसर गंवाया है पर अभी बाजी हमारे हाथों से निकली नहीं है टीम के पास अभी भी दूसरा मुकाबला जीतकर फाइनल में पहुंचने का अवसर है। अय्यर ने कहा है कि पहली लड़ाई वे हारे है पर ये अभी समाप्त नहीं हुई है। अब खिताबी मुकाबले में जगह बनाने पंजाब किंग्स को एलिमिनेटर की विजेता टीम से खेलना होगा। आरसीबी के हाथों 8 विकेट से मिली हार पर अय्यर ने कहा, यह हमारे लिए भूलने वाला दिन नहीं है पर हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाना होगा। हमने इस मैच में शुरुआत में ही काफी विकेट खो दिये थे पर कहा कि उन्हें अपने फैसलों पर संदेह नहीं है। मैदान के बाहर हो भी योजना उन्होंने बनायी थी वह सही थी पर उसे अमल में नहीं लाया जा सका। उन्होंने साथ ही कहा, हम गेंदबाजों को भी दोष नहीं दे

सकते क्योंकि हमारे रन बचाव करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। हमें इस विकेट पर अपनी बल्लेबाजी पर और काम करना होगा क्योंकि यहां हमने यहां जितने भी मैच खेले हैं, उनमें अलग-अलग उछाल रहा है। हम पेशेवर खिलाड़ी होने के कारण ये बहाने नहीं बना सकते। हमें हालात के अनुसार बल्लेबाजी करनी होती है और हमें इसके अनुरूप प्रदर्शन करना होता है। हमने लड़ाई तो हारी है पर अभी बाहर नहीं हुए हैं। पंजाब किंग्स इस मैच में केवल 101 रन ही बना पाये थी और आरसीबी ने ये लक्ष्य दो विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया।

## विराट ने संकेतों में अनुष्का को बताया जश्न के समय का इंतजार करें

**चंडीगढ़।**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम जीत के साथ ही फाइनल में पहुंच गयी। इससे टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा बेहद उत्साहत दिखीं। इसी के साथ ही आरसीबी की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले के तीनो ही बार टीम को खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में इस बार जैसे ही टीम फाइनल में पहुंची आरसीबी के प्रशंसक जश्न मनाने लग गये। वहीं फाइनल में पहुंचने के बाद भी विराट जानते हैं कि खिताबी जीत मिलना बाकि है इसलिए उन्होंने इशारों ही इशारों में ये बात अनुष्का को समझायी। इसका कारण है कि आरसीबी ने जैसे ही पंजाब पर जीत के साथ ही फाइनल में प्रवेश किया। आरसीबी के खेमे में जश्न शुरू हो गया। मैच के बाद विराट ने इशारा करते हुए अनुष्का को बताया कि अभी एक पड़ाव बाकि हैं। 9 साल बाद आरसीबी ने फाइनल में जगह बनायी है ओर इसके कारण भी उसके प्रशंसक अधिक जोश में दिखे। विराट अकेले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होने आईपीएल की शुरुआत से ही इस फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। वह पहले सत्र 2008 से ही लगातार आरसीबी का हिस्सा हैं पर इसके बाद भी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इसलिए वह जानते हैं कि जश्न का अवसर 3 जून को होने वाले फाइनल को इस दौरान वे एक युवा से दिग्गज बन गए, कप्तान से सीनियर बन गए, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत पाए। इसी लिए वह जानते हैं कि जश्न का समय 3 जून को होने वाले फाइनल के बाद ही आयेगा।

# धोनी का ये रिकार्ड अब तक नहीं तोड़ पाया है कोई विकेटकीपर बल्लेबाज

**नई दिल्ली।**

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जिसे पिछले दो दशक के बाद भी कोई विकेटकीपर बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। ये विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकार्ड है। धोनी ने रिकार्ड श्रीलंका के खिलाफ 2005 में बनाया था। तब जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में धोनी ने 145 गेंदों पर 15 चौके और 10 छक्के लगाकर नाबाद 183 रन बनाए थे। यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डि कॉक और ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट भी ऐसा रिकार्ड नहीं बना पाये हैं।

इस पारी के साथ धोनी ने एकदिवसीय में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाया था। उस पारी के साथ ही धोनी ने गिलक्रिस्ट का सबसे अधिक रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था, गिलक्रिस्ट ने जनवरी 2004 में होबार्ट के बेलरिव ओवल में जिम्बाब्वे के खिलाफ 126 गेंदों पर 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 172 रन बनाए थे। धोनी का रिकॉर्ड आज 20 साल बाद भी बना हुआ है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डी कॉक ने साल 2023 में मुंबई में बांग्लादेश के खिलाफ 174 और 2016 में सेंचुरियन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 178 रन की पारी खेली थी पर वह धोनी का रिकार्ड नहीं तोड़ पाये थे। इसके अलावा उन्होंने अक्टूबर 2017 में किम्बर्ले में बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 168 रन भी बनाए थे। वहीं मार्च 2020 में बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 143 गेंदों पर 176 रन बनाये थे। धोनी ने 183 रनों की पारी के साथ लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक स्कोर का भी रिकार्ड बनाया था हालांकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने 2011 विश्व कप मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 96 गेंदों पर नाबाद 185 रन बनाकर ये रिकॉर्ड तोड़ दिया था।

## संक्षिप्त समाचार

### वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवसर से मिले प्रधानमंत्री

**पटना।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पटना एयरपोर्ट पर क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात की। 14 साल के वैभव ने आईपीएल में अपने आक्रामक खेल से सभी का ध्यान खींचा है। उसके बाद से ही प्रधानमंत्री इस उभरते क्रिकेटर की सराहना करते आये हैं। प्रधानमंत्री की वैभव के परिवार से यह मुलाकात तब हुई जब वह अपने चुनावी दौरे पर बिहार पहुंचे थे। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर भी एक पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने लिखा, युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मिलकर खुशी। उनके क्रिकेट कौशल की पूरे देश में प्रशंसा हो रही है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं।卐 प्रधानमंत्री से मिली प्रशंसा के बाद वैभव और उनका परिवार बेहद प्रसन्न नजर आया। वैभव ने भी प्रधानमंत्री के पैर छूए ओर उनके आर्शिवाद को प्रेरणादायक बताया और कहा कि इस मुलाकात से उन्हें अपने लक्ष्य की ओर और भी अधिक समर्पित होकर प्रयास करने की प्रेरणा मिलेगी।

### शार्दुल ने बताया रोहित-विराट के अचानक संन्यास का कारण

**मुम्बई।**

ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का कारण बताया है। शार्दुल के अनुसार उन्हें लगने लग गया था कि अब वे पहले की तरह नहीं खेल सकते हैं। रोहित ने इसी माह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके एक सप्ताह के अंदर ही कोहली ने भी खेल को अलविदा कह दिया। ठाकुर ने कहा कि दो अनुभवी खिलाड़ियों के रहने से टीम में शामिल अन्य खिलाड़ियों को भी काफी कुछ सीखने को मिलता था। इस ऑलराउंडर ने यह भी कहा कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के होने से टीम को अच्छे परिणम मिल सकते थे। वहीं अब सबकुछ युवाओं के हाथ में है। इस ऑलराउंडर ने कहा, ये दोनो ही खेल में सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं पर ऐसे फैसले निजी होते हैं। ऐसा तब होता है जब उन्हें लगता है कि वे पहले की तरह अपना योगदान नहीं दे सकते या उनकी फिटनेस पहले जैसी नहीं रहती, ऐसे में वे युवाओं के लिए राह बनाते हैं।

# जडेजा भी बनना चाहते हैं भारतीय टीम का कप्तान

**नई दिल्ली।**

शुभमन गिल के इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनने के बाद अब ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा के मन में भी कप्तान बनने की इच्छा जोर मारने लगी है। जडेजा का कहना है कि वह भी भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करना चाहते हैं। जडेजा के अनुसार उन्होंने कई कप्तानों के साथ काम किया है इसलिए वह जानते हैं कि कप्तानी कैसे की जाती है। क्या वह भारत के टेस्ट कप्तान बनना चाहते हैं , यह पूछे जाने पर जडेजा ने कहा, हां , बिल्कुल। इतने सालों में मैने अलग अलग कप्तानों के साथ खेला है। मुझे हर कप्तान की शैली के बारे में पता है और यह भी समझता हूं कि खिलाड़ी क्या सोचते हैं और चाहते हैं।''

जडेजा ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में तीनों प्रारूपों में पदार्पण किया था और आईपीएल में भी उनकी कप्तानी में वह चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेले हैं। जडेजा ने कहा ,''हर कप्तान की अपनी शैली होती है। मैने हर प्रारूप में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेला है पर उनकी सोच बिल्कुल आसान है। अगर उन्हें लगता है कि कोई बल्लेबाज एक ही जगह पर शॉट खेल सकता है तो वहां वह फील्डर जरूर लगायेंगे।''

टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा के संन्यास के बाद अश्विन ने जडेजा को कप्तान बनाने का समर्थन किया था। उन्होंने तब कहा था ,' हम जडेजा को क्यो भूल जाते हैं। अगर नया कप्तान चाहिये तो मैं कहूंगा कि दो साल के लिए किसी अनुभवी को कमान सौंपने के बाद नये व्यक्ति को बागडोर दी जानी चाहिए।''

जडेजा ने यह भी कहा कि टेस्ट टीम की बजाय टी20 में कप्तानी अधिक मुश्किल है। उन्होंने कहा ,'' टेस्ट क्रिकेट में आपको गेंदबाज की जरूरत के मुताबिक दो या तीन फील्डर में बदलाव करना होता है, बल्लेबाज के हिसाब से नहीं।'' उन्होंने कहा ,'' टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी अलग है। इसमें ज्यादा दिमाग नहीं लगाना पड़ता है।''

### राहुल सोमवार को इंग्लैंड दौरे पर रवाना होंगे

**मुम्बई।**

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज के एल राहुल इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लगे हैं। राहुल की टीम दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी थी। इसके बाद राहुल को इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए समय मिल गया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार राहुल लगभग 20 दिन पहले ही इंग्लैंड रवाना हो जायंगे जिससे वह हालातों के अनुसार ढ़ल सकें। रोहि शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से राहुल के उपर अधिक जिम्मेदारी रहेगी। वह इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ होने वाले इंडिया ए के मुकाबले में भाग लेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा , वह सोमवार को रवाना होंगे और भारत ए टीम के साथ दूसरा अभ्यास मैच खेलेंगे। वह सीनियर पुरुष टीम का हिस्सा हैं, जो सीरीज में पांच टेस्ट मैच खेलेगी, इसलिए इन मैचों से उन्हें खेलने का समय और मैच अभ्यास मिलेगा। इंडिया ए टीम अभी इंग्लैंड दौरे पर है। इंग्लैंड लॉयनस के खिलाफ उन्हें दो अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की शुरुआत हो गयी है। वहीं भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, शार्दुल ठाकुर, नीतिश कुमार रेड्डू और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी भाग लेंगे।

### स्पेनिश फुटबॉलर ने राजकुमारी का प्रस्ताव ठुकराया

**मैड्रिड।**

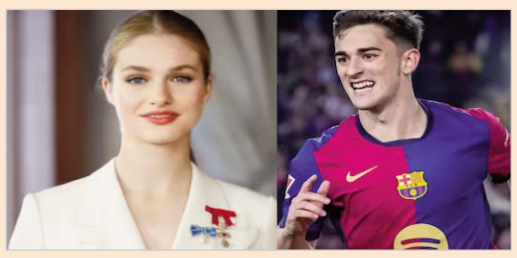

स्पेन के स्टार फुटबॉलर पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपनी प्रेमिला से शादी के लिए देश की राजकुमार का शादी का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया है। इस स्टार फुटबॉलर के पास राजकुमारी लियोनोर से शादी कर भविष्य में राजा बनने का भी अवसर था जिससे इस फुटबॉलर ने नहीं माना। एक खूबसूरत राजकुमारी के ऐसे प्रस्ताव को ठुकराने का साहस दिखाने वाले काफी कम होते हैं। लियोनोर स्पेन के राजा फिलीप और रानी लेटिजिया की सबसे बड़ी बेटी हैं। वह स्पेन के राजसिंहासन की उत्तराधिकारी हैं होने के साथ ही बेहद खूबसूरत और उच्च शिक्षित हैं। वहीं गावी ला लिगा क्लब बार्सिलोना और स्पेन की नेशनल टीम के लिए सेंट्रल मिडफील्डर के तौर पर खेलते हैं। 2022 में उन्होंने कोपा ट्रॉफी में गोल्डन बॉय अवॉर्ड जीता था। लियोनोर फीफा विश्व कप 2022 देखकर फुटबॉलर गावी पर फिदा हो गयीं। स्पेन ने कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। उसके बाद यह कहा जाने लगा कि राजा ने गावी से अपनी बेटी के लिए ऑटोग्राफ वाली जर्सी देने को कहा उसके बाद से ही लियोनोर और गावी के बीच रिलेशनशिप की अटकलें चल पड़ीं। वहीं जब स्पेन ने 2024 का यूरो कप जीता। तब राजमहल में राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को आमंत्रित किया। वहां लियोनोर और गावी की कुछ देर तक एक दूसरे से हाथ मिलाते हुए देखा गया था। तब सोशल मीडिया पर इन चर्चाओं ने जोर पकड़ा कि दोनों के बीच में कुछ तो है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गावी ने प्रिंसेज लियोनोर के प्यार को इसलिए ठुकराया कि वह एक अन्य लड़की एना पेलाया से रिलेशनशिप में हैं। इसके अलावा वह फुटबॉल नहीं छोड़ना चाहते जबकि राजकुमारी से शादी के बाद उन्हे खेल छोड़ना पड़ता।

# कप्तानी के पहले ही वर्ष में टीम को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने वाले पांचवें भारतीय बने रजत

**नई दिल्ली।**

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार आईपीएल 2025 के पहले क्वालीफायर में पंजाब किंग्स पर जीत के साथ ही एक ऐसे क्लब में शामिल हो गये हैं जिसमें महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, अनिल कुंबले और हार्दिक पांड्य जैसे दिग्गज शामिल हैं। इसी के साथ ही अपनी कप्तानी के पहले ही वर्ष में टीम को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने वाले रजत 5वें भारतीय कप्तान बने हैं।

आईपीएल 2025 का फाइनल 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी कुल मिलाकर चौथी बार आईपीएल के फाइनल में पहुंची है।

हालांकि, इससे पहले के तीनों मौकों पर उसे फाइनल में हार झेलनी पड़ी थी। इस बार आरसीबी आईपीएल में खिताब जीतने का पूरा प्रयास करेगी।

आईपीएल के फाइनल में आरसीबी की कप्तानी साल 2009 में अनिल कुंबले जबकि साल 2011 में डेनियल वेटोरी , वहीं साल 2016 में विराट कोहली और 2025 में रजत पाटीदार ने की थी।

धोनी ने अपनी कप्तानी के पहले ही साल में चेन्नई सुपरकिंग्स टीम को फाइनल में पहुंचाया था। उन्होंने 2008 में आईपीएल के पहले ही सत्र में ये उपलब्धि हासिल की थी पर वह खिताब नहीं जिता पाये थे। अनिल कुंबले दूसरे ऐसे भारतीय हैं जिनकी कप्तानी के पहले ही साल 2009 में में टीम आईपीएल फाइनल में पहुंची थी हालांकि टीम फाइनल नहीं जीत पायी थी। साल 2013 में रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के कप्तान बने और उसी वर्ष उन्होंने टीम को आईपीएल फाइनल में पहुंचाया।

साल 2022 में हार्दिक पांड्या गुजरात टाइटंस के कप्तान बने। उनकी कप्तानी के पहले ही वर्ष में गुजरात टाइटंस आईपीएल फाइनल में पहुंचने में सफल हुई थी। अब आईपीएल कप्तानों के इस क्लब में रजत पाटीदार भी शामिल हो गये हैं।

### विराट फाइनल में धमाकेदार प्रदर्शन करेंगेः डिविलियर्स

**जोहांसबर्ग।**

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल फाइनल में पहुंचने से बेहद खुश हैं। डिविलियर्स के अनुसार अब तक जिस प्रकार विराट कोहली ने खेला है, उसी प्रकार वह फाइनल में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डिविलियर्स को उम्मीद है कि इस बार आरसीबी खिताब जीतेगी। आरसीबी ने पहले क्वालीफायर में पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। इस सत्र में विराट से आरसीबी की ओर से जबरदस्त प्रदर्शन किया है और 500 से अधिक रन बनाये हैं। ऐसे में उनके आरसीबी के पुराने साथी डिविलियर्स का मानना है कि वह तीन जून को अहमदाबाद में होने वाले फाइनल में धमाकेदार पारी खेलेंगे। डिविलियर्स ने कहा, 'इस मैच से पहले जब वह बस से उतरे थे तब मैंने उन्हें स्क्रीन पर देखा था। उस समय वह सकारात्मक दिखे । उन्होंने कहा, 'वह पूरी तरह से टीम के लिए समर्पित खिलाड़ी है। उनके खेल में एकाग्रता दिख रही थी। जाहिर है काम अभी पूरा नहीं हुआ है और मैं उसे खेलते हुए देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि वह फाइनल में जोरदार प्रदर्शन करेगा। आरसीबी आज तक एक बर भी खिताब नहीं जीत पायी है हांलांकि वह पहले भी तीन बार फाइनल में पहुंची थी। डिविलियर्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस टीम के पास इस बार 2011 खिताब जीतने का एक बहुत अच्छा मौका था। मुझे नीलामी के बाद से ही कहा है कि इस बार आरसीबी बेहद संतुलित टीम है और वह खिताब जीतने में कोई कसर नहीं रखेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# अदरक उत्पादन तकनीक

## जलवायु

अदरक गर्म एवं नम जलवायु में अच्छी तरह उगाया जाता है। इसकी खेती समुद्र तट से 1500 मीटर तक की ऊंचाई पर भी की जा सकती है। अदरक की खेती वर्षा आधारित एवं सिंचित अवस्था में की जा सकती है। इसकी खेती के लिए बुवाई के समय मध्यम वर्षा, वृद्धि तक अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। कटाई एवं एक महीना पहले शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है।

## भूमि

अदरक विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है। लेकिन इसकी खेती के लिए अच्छे जल निकास वाली जीवांश युक्त दोमट या बलुई दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है।

उन्नत किस्में

## सुप्रभा, सुरूचि, सुरभि

अन्य किस्मों में वर्दा, हिमगिरी, महिमा, रेजाता आदि है।

## भूमि की तैयारी

अदरक की अच्छी खेती के लिए भूमि को गर्मी के शुरू में अच्छी गहरी जुताई करके मिट्टी भुरभुरी बना ली जाती है।

## बीज दर

अदरक का बीज प्रकंद होता है। बुवाई के लिए 2.5-5.0 सेमी लम्बे, 20-25 ग्राम वजन के जिनमें कम से कम 2-3 अंकुरित आंखें हो बोने के लिए उपयुक्त होते हैं। एक हैक्टेयर में बुवाई हेतु 15-20 क्विंटल प्रकंदों की आवश्यकता होती है।

## बीजोपचार

अदरक के बीज प्रकंद को 30 मिनट तक मेंकोजेब 3 ग्राम/ लीटर पानी के साथ उपचारित करके, 3-4 घंटे छायादार जगह पर सुखाते हैं।

## बुवाई की विधि

वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए प्रकंदों की बुवाई के लिए 4 सेमी ऊंची, 1 मीटर चौड़ी तथा आवश्यकतानुसार लम्बी क्यारियों को तैयार कर बुवाई करते हैं। प्रकंदों को 15-20 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी की गहराई पर बो देते हैं। सिंचित क्षेत्रों में क्यारियों बनाकर उनमें 40 सेमी की दूरी पर मेड़ बना ली जाती है तथा 20-25 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी गहराई पर प्रकंदों की बुवाई कर देते हैं।

## सिंचाई

बुवाई के समय पर्याप्त नमी रहे। अंकुरण के बाद शीघ्र सिंचाई कर दें। इसके बाद वर्षा होने तक नमी बनाये रखने के लिए 10-10 दिन के अंतर पर सिंचाई करते रहें।

## निराई-गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अदरक की फसल में आवश्यकतानुसार 2-3 बार खरपतवार निकाल दें।

## प्रकंदों की खुदाई

हरी अदरक के लिए इसकी खुदाई बुवाई के 180 दिन बाद करें तथा सूखी अदरक के लिए इसकी बुवाई के 240-260 दिन बाद तब पत्तियां पीली पड़ जाये तथा धीरे-धीरे सूखने लगे तब की जाये। खुदाई करते समय ध्यान रखें कि प्रकंद फटने न पाये। पौधों को सावधानी पूर्वक फावड़े या कुदाली की सहायता से उखाड़ कर प्रकंद को जड़ और मिट्टी से अलग कर लेते हैं। खुदाई के बाद प्रकंद को अच्छी तरह पानी से धोकर एक दिन के लिए धूप में सुखा लें।

## उपज

ताजा अदरक की उपज लगभग 15-25 टन/ हेक्टेयर प्राप्त होती है, जो सूखाने के बाद 20-25 प्रतिशत तक प्राप्त होती है।

भण्डारण बीज संग्रहण के लिए अदरक को पेड़ के नीचे छाया में गड्ढा खोदकर कंदों को इस प्रकार रखा जाता है कि इसमें हवा के लिए काफी जगह बनी रहे। बीज प्रकंदों को 0.3 प्रतिशत मेंकोजेब या रीडोमिल के घोल में 30 मिनट तक उपचारित करके छायादार जगह पर सुखा लेते हैं। गड्ढों को गोबर से लेप देते हैं। फिर एक परत प्रकंद फिर 2 सेमी रेत/ बुरादा की परत में रखते हैं। इस तरह भरने के बाद ऊपर से गड्ढों को लकड़ी के तखते से ढक देते हैं। इन तख्तों को हवादार बनाने के लिए एक या दो छेद करते हैं।

## पलवार

बुवाई के तुरंत बाद घास फूस पत्तों की पलवार बिछाना लाभप्रद रहता है। पलवार से मिट्टी का कटाव कम होता है। तथा भूमि में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है तथा भूमि में नमी भी संरक्षित रहती है। पलवार से खरपतवार भी कम उगते है। पहली पलवार बुवाई के समय तथा दूसरी व तीसरी पलवार 40 एवं 90 दिन बाद बिछायें। प्रथम पलवार के लिए 5-7 टन/ हैक्टेयर हरे पत्तों की आवश्यकता रहती है।

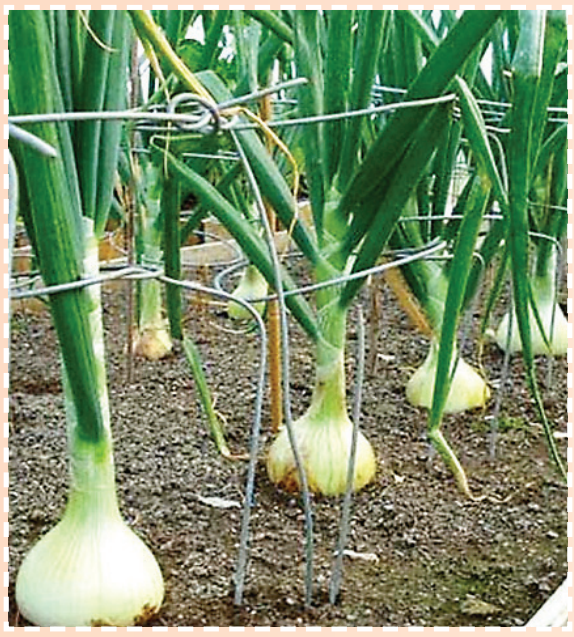

# रबी प्याज उत्पादन तकनीक

## सामान्यत

रबी मौसम में बुवाई अक्टूबर-नवम्बर माह में तथा रोपाई दिसंबर से जनवरी के पहले सप्ताह तक की जाती है। यह मौसम प्याज की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह प्याज अधिकतर ग्रीष्मकाल में आने के कारण इसे ग्रीष्मकालीन प्याज भी कहते हैं। प्याज के अंतर्गत क्षेत्रफल का 60 प्रतिशत इसी मौसम में लगाया जाता है। महाराष्ट्र के कोकन का तटीय भाग, चंद्रपूर तथा भंडारा के क्षेत्र को छोड़कर संपूर्ण राज्य में रबी मौसम में प्याज की खेती होती है।

उत्तर भारत के सभी राज्यों में इसी मौसम में प्याज की खेती की जाती है। नवम्बर माह के अंत में लगायी फसल मार्च-अप्रैल में निकाली जाती है। इस समय पत्तियाँ अच्छी तरह सूखती है तथा अच्छी तरह सूखा हुआ प्याज अधिक समय भण्डारित होता है। रबी प्याज की रोपाई में जितनी देर होती है, उतनी ही उपज घटती है तथा प्याज का आकार छोटा रह जाता है। रबी प्याज लगाने में अधिक देरी होने से यह जून में तैयार होता है और उस समय वर्षा होने से प्याज को नुकसान होता है तथा यह अच्छी तरह सूख नहीं पाता है।

फलस्वरुप भण्डारण में अधिक सड़ने लगता है। रबी प्याज को अप्रैल से जून तक निकाला जाता है। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते हैं। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते है। इन परिस्थितियों में प्याज का भण्डारण करना लाभदायक रहता है। भण्डारण के लिए नवम्बर माह के अंत से दिसम्बर माह के मध्य तक की गयी रोपाई सर्वोत्तम होती है।

## नर्सरी में पौध तैयार करना

रबी प्याज की उन्नत किस्म के बीज को 3 मीटर लम्बी, 1 मीटर चौड़ी व 20-25 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियां बनाकर बोनी करें। 500 मीटर वर्गक्षेत्र में तैयार की गई नर्सरी की पौध एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होती है। प्रत्येक क्यारी में 40 ग्राम डी.ए.पी., 25 ग्राम यूरिया, 30 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश व 10-15 ग्राम फ्यूराडान डालकर अच्छी तरह मिट्टी में मिला दें। सितम्बर अक्टूबर माह में क्यारीयों को तैयार कर क्लोरोपाईरीफॉस (2 मिली./ लीटर पानी) कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर पानी) को धोलकर क्यारी की मिट्टी को तर कर 250 गेज मोटी सफेद पॉलिथिन बिछाकर 25-30 दिनों तक मिटटी का उपचार कर लें। इस विधि से मिटटी को उपचारित करने को मृर्दा शौर्यीकरण कहतें है। ऐसा करने पर मिटटी का तापमान बढने से भूमि जनित कीटाणु एंव रोगाणु नष्ट हो जाते है। बीजों को क्यारियों में बोने से पूर्व थायरम या कार्बोसिन/बाविस्टीन नामक फफूंदनाशक दवा से 2-3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। उपचारित बीजों को 5-10 सेमी. के अंतर पर बनाई गई कतारों 1 सेमी. की गहराई पर बोएं। अंकुरण के पश्चात पौध को जडग़लन बीमारी से बचाने के लिए 2 ग्राम थायरम 1 ग्राम बाविस्टीन दवा को 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। बुआई के लगभग 7-8 सप्ताह बाद पौध खेत में रोपण के लिए तैयार हो जाती है।

## रोगों से बचाव

रोगों से बचाव के लिए बीज और पौधशाला की मिट्टी को कवक नाशी या थीरम आदि से उपचारित कर लेना चाहिए। बीज और पौधशाला को ट्राइकोडर्मा से भी उपचारित किया जा सकता है। उसके बाद बीज की नर्सरी डालकर पुवाल आदि से ढक देना चाहिए। जमाव के बाद पुवाल हटाकर हल्की सिंचाई करनी चाहिए। रबी में प्याज की नर्सरी आठ से नौ सप्ताह में रोपाई करने की स्थिति में हो जाती है। रोपाई से पूर्व पौधों की जड़ों को कार्बेडाजिम, नौ प्रतिशत के घोल में डूबा देना चाहिए। प्याज लगाने से पूर्व मिट्टी की जांच करा लेनी चाहिए। एक हेक्टेयर खेत में 20 से 25 तक गोबर की खाद रोपाई से एक माह पूर्व ही खेत में मिला देना चाहिए। अच्छे उत्पाद के लिए प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस और 60 किग्रा पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। गंधक और जिंक की कमी होने पर ही उपयोग करें।

## भण्डारण

आमतौर पर खरीफ की तुलना में रबी प्याज में भण्डारित करने की आवश्यकता ज्यादा होती क्योंकि यह बाजार में तुरंत कम बिकता है। प्याज को भण्डारित करते समय निम्न सावधानियां रखना चाहिए।

1. भण्डारण से पहले कंदों को अच्छी तरह सुखा लें, अच्छी तरह से पके हुए स्वस्थ (4-6 सेमी आकार) चमकदार व ठोस कंदों का ही भण्डारण करें।
2. भण्डारण नमी रहित हवादार गृहों में करें। भण्डारण में प्याज के परत की मोटाई 15 सेमी. से अधिक न हों।
3. भण्डारण के समय सड़े गले कंद समय-समय पर निकालते रहना चाहिए।

# उर्वरकों का खेती में सही उपयोग कब?

खेती में उर्वरकों का सही उपयोग कब - खरीफ फसलों का उत्पादन बढ़ाने में बीज के बाद उर्वरकों का योगदान सबसे अधिक रहा है। परंतु किसान अभी भी उर्वरकों का प्रयोग फसलों की आवश्यकता तथा पोषक तत्वों की उनके खेत में उपलब्धता के आधार पर नहीं कर रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण उनकी भूमि पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करने की जटिलता तथा उसके प्रति किसानों की उदासीनता मुख्य कारण है।

आशा है भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड योजना किसानों की इस उदासीनता को तोडऩे में सक्षम होगी। स्वाइल हेल्थ कार्ड द्वारा किसान को उसकी भूमि की सही स्थिति तथा उसमें उपलब्ध पोषक तत्वों की जानकारी मिलेगी जिसके आधार पर वह अपनी फसलों में संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग कर फसल की लागत को भी कम कर पायेगा परंतु मिट्टी के नमूने से लेकर प्रयोगशाला उसके विश्लेषण में जाने - अनजाने में हुई भूल या लापरवाही इस पूरी योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लगा सकती है जिसके परिणाम सिर्फ और सिर्फ किसान को ही भुगतने होंगे। इसलिए इस योजना की सफलता किसान की जागरूकता पर ही निर्भर करती है।जागरुक किसान नत्रजन व फास्फोरस का महत्व समझने लगे हैं और वह विभिन्न फसलों में इनके सही अनुपात को उपयोग में ला रहे हैं। परंतु अभी बहुत से किसान ऐसे भी है जो फास्फोरस युक्त उर्वरकों को खड़ी फसल में दे रहे हैं। इस ओर भी जागरूकता लाना भी आवश्यक है। उर्वरकों के उपयोग के आरंभ के वर्षों में तीसरे प्रमुख तत्व पोटाश की प्रदेश के अधिकांश जिलों की भूमि में देने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि यह मिट्टी में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध था। अधिक उपज देने वाली जातियां आने के बाद पोटाश की मिट्टी में शनै-शनै- मात्रा कम होती चली गयी और अब उपज के स्तर को बनाये रखने के लिये इसकी भूमि में आपूर्ति आवश्यक हो गयी है। इसकी कमी के लक्षण भी सोयाबीन व अन्य फसलों में दिखने लगे हैं, पत्तियों के बाहरी ओर पीलापन आने से इसकी कमी को पहचाना जा सकता है। गहरी जड़ों वाली फसलों में इसका उपयोग बीज बोने के पूर्व या बीज बोते समय करना चाहिए। खरीफ में प्रदेश में सोयाबीन फसल का रकबा लगभग 55-58 लाख हेक्टर रहता है। तिलहनी फसल होने के कारण इस फसल में अन्य तत्वों के अतिरिक्त गंधक की भी आवश्यकता होती है क्योंकि गंधक में तेल बनाने की प्रक्रिया में एक आवश्यक तत्व है। इसके प्रति सोयाबीन उगाने वाला किसान सोचता भी नहीं। वह अधिकतर फास्फोरस तथा नत्रजन की आपूर्ति डीएपी द्वारा कर लेता है। गंधक की आपूर्ति किसान बिना लागत बढ़ाये कर सकता है इसके लिए उसे डीएपी का मोह छोड़कर फास्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फास्फेट से करनी होगी जिससे फसल को 16 प्रतिशत फास्फोरस के अतिरिक्त 12 प्रतिशत गंधक तथा 21 प्रतिशत कैल्शियम भी मिल जाता है।

स्वाइल हेल्थ कार्ड किसानों को एक दिशा-निर्देश तो दे सकता है परंतु यह समाधान नहीं। इसके लिए किसी निर्धारित क्षेत्र के स्वाइल हेल्थ कार्ड का वैज्ञानिक अध्ययन करना होगा। उसके बाद निकले निष्कर्षों के आधार पर किसान को उचित सलाह देनी होगी तभी इस योजना का लाभ होगा। एक क्षेत्र के मिट्टी के नमूनों को 4-5 विभिन्न प्रयोगशाला में भिजवा कर उनका परीक्षण करना होगा तभी हम किसी निष्कर्ष पर पहुंच पायेंगे अन्यथा शंका में ही घिरे रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीन डिफेंस पीएसयू को दिया मिनीरत्न का दर्जा

**नई दिल्ली।**

म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) और इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) को मिनीरत्न श्रेणी-1 का दर्जा देने की मंजूरी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी है। रक्षा मंत्री ने इन तीनों रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों (डिफेंस पीएसयू) को सरकारी संगठन से लाभकारी कॉरपोरेट इकाई में तेजी से बदलने के लिए बधाई दी। उन्होंने कंपनी के टर्नओवर में वृद्धि, स्वदेशीकरण को अधिकतम करने तथा अन्य प्रदर्शन मानकों को पूरा करने के लिए इनके प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। इन तीनों डिफेंस पीएसयू को मिनीरत्न का दर्जा मिलने से उन्हें अधिक स्वायत्तता, नवाचार और विकास की दिशा में सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) ने स्थापना के बाद से उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। कंपनी की बिक्री वर्ष 2021-22 के 2,571.6 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में (अनंतिम) 8,282 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। निर्यात के क्षेत्र में भी एमआईएल ने शानदार प्रगति की है। एमआईएल के प्रमुख उत्पादों में छोटे, मध्यम और उच्च कैलिबर के गोला-बारूद, मोर्टार, रॉकेट, हैंड ग्रेनेड आदि शामिल हैं, जिनका निर्माण इन-हाउस किया जाता है। आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) ने भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। उसकी बिक्री 2,569.26 करोड़ रुपए (2021-22) से बढ़कर 4,986 करोड़ रुपए (2024-25) (अनंतिम) तक लगभग 190 प्रतिशत बढ़ी। एवीएनएल ने टी-72, टी-90 और बीएमपी-2 प्लेटफॉर्म के लिए 100 प्रतिशत स्वदेशी इंजन निर्माण हासिल किया है। इसके प्रमुख उत्पादों में टैंक्स (टी-90, अर्जुन, बीएमपी-2 सारथ), समर्थन वाहन और रक्षा मोबिलिटी समाधान शामिल हैं। इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) ने भी पिछले तीन वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। कंपनी की बिक्री 562.12 करोड़ रुपए (2021-22) से बढ़कर 1,541.38 करोड़ रुपए (2024-25) (अनंतिम) हो गई है, जो 250 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। आईओएल के मुख्य उत्पादों में ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और दृष्टि

उपकरण शामिल हैं, जिनका उपयोग टी-90, टी-72, बीएमपी-2 जैसे लड़ाकू प्लेटफार्मों और तोपों, नौसेना के हथियारों आदि में होता है।

## बीजेपी के नए बॉस को लेकर जाने क्या आया अपडेट

**नई दिल्ली।**

भाजपा के लिए नए अध्यक्ष का इंतजार काफी लंबा हो गया है। आम चुनाव के करीब 1 साल बीतने के बावजूद भाजपा को अब तक नया अध्यक्ष नहीं मिल सका है। हालांकि, खबरें थी कि अप्रैल या मई महीने में भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच इस लेकर निर्णय नहीं लिया जा सका। हालांकि, अब इस मामले में एक नया अपडेट सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जून के तीसरे या चौथे सप्ताह में हो सकता है। इसका मतलब साफ है कि जून के आखिर तक बीजेपी को नया बॉस मिल जाएगा। फिलहाल जेपी नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनका कार्यकाल 2020 से 2023 तक था। लेकिन कार्यकाल को लोकसभा चुनाव तक बढ़ाया गया। इसके बाद से लगातार अभी तक नड्डा का कार्यकाल बढ़ता रहा है। इसके बाद अब इसकी संभावना ज्यादा दिख रही है कि जल्दी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर निर्णय लिया जा सकता है। फिलहाल पार्टी राज्यों में संगठन को लेकर चुनाव कर रही है। इसके बाद 50 प्रतिशत राज्यों में संगठन चुनाव संपन्न हो जाने के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर प्रक्रिया शुरू कर सकती है। जानकारी के मुताबिक भाजपा चुनाव के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के लिए अधिसूचना जारी करेगी। राज्यों में संगठन आत्मक चुनाव संपन्न होने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव होने है। भाजपा अध्यक्ष पद की रेस में कई नाम सुर्खियों में है। हालांकि इस बार भाजपा का जो राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा, उसके ऊपर 2029 आम चुनाव भी होगा। इसके अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम में महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव है जो भाजपा के लिए बेहद अहम है। इसके बाद पार्टी आगे किस तरीके की रणनीति बनाकर चलती है, यह भी देखने वाली बात होगी।

## आतंकवादी हमले के 96 घंटों के भीतर नौसेना ने कर ली थी पूरी तैयारी : राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली।**

हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य टकराव के दौरान भारत की तीनों सेनाओं ने अपने पराक्रम को दिखाया। जहां भारतीय वायुसेना ने हवा से पाकिस्तान पर कहर बरपाया। वहीं भारतीय नौसेना ने पानी के जरिए शिकंजा कस रखा था।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बार-बार कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। इस बीच रक्षा मंत्री सिंह की एक तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में रक्षा मंत्री सिंह भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल युद्धपोत आईएनएस विक्रांत पर सवार दिख रहे हैं और फोटो में नौसेना के अधिकारी और जवान भी दिख रहे हैं।

उन्होंने कहा, समुद्र में तैनात हमारे वेस्टर्न फ्लीट शिप ने आतंकवादी हमले के 96 घंटों के भीतर, वेस्टर्न और ईस्टर्न कोस्ट पर सरफेस टू सरफेस और सरफेस टू एअर मिसाइलें और टारपीडो से कई सफल फायरिंग की।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा, आईएएनएस विक्रांत पर अपने जाबांज नेवी के जवानों के बीच आकर मुझे खुशी हो रही है। मैं भारत की समुद्री शक्ति के गौरव आईएनएस विक्रांत पर खड़ा हूं, मेरे अंदर खुशी के साथ-साथ एक गर्व और विश्वास का भाव है, कि जब तक राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा आपके मजबूत हाथों में है, तब तक भारत को कोई तिरछी निगाहों से देख नहीं सकता।

उन्होंने कहा, आज मैं यहां केवल रक्षा मंत्री के नाते नहीं आया हूं, बल्कि मैं यहां एक कृतज्ञ भारतीय के रूप में आया हूं।

मैं आपके समर्पण को नमन करने, आपके शौर्य को सराहने और आपके परिश्रम को सलाम करने आया हूं।

### पाकिस्तान दुनिया के सामने गिड़गिड़ाया

केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, मात्र कुछ ही समय में हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकी अड्डे और उसके इरादों को ध्वस्त कर दिया।

## दो राज्यों में बिछाई जाने वाले रेलवे लाइन से 784 गांव जुड़ेंगे और 20 करोड़ लीटर तेल बचेगा

**नई दिल्ली।**

भारतीय रेलवे ने 176 किलोमीटर नई रेल लाइन बिछाने का फैसला किया है, जिससे पर्यावरण और अर्थव्यवस्था को बड़ा फायदा होगा। इस कदम से हर साल 20 करोड़ लीटर तेल की खपत कम होगी और 99 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन घटेगा। यह 4 करोड़ पेड़ लगाने जितना असरदार है। भारतीय रेलवे मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में ऐसी जगह लाइन बिछाने जा रहा है, जिससे न सिर्फ वहां के लोगों को फायदा होगा बल्कि सालना करोड़ों लीटर तेल की बचत होगी। इसके साथ ही पर्यावरण भी संरक्षित करने में मदद करेगा। यह लाइन अगले पांच सालों में बनकर तैयार हो जाएगी और लोग इससे सफर कर सकेंगे। यह रेल लाइन महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बिछाई जाएगी और अगले पांच साल में काम पूरा हो जाएगा। यानी 2030 तक पूरी हो जाएगी। इससे माल ढुलाई और यात्रियों की आवाजाही आसान होगी, साथ ही सामान पहुंचाने की लागत भी कम होगी। यहां पर दो लाइनें बिछेंगी, पहली रतलाम-नागदा के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन और दूसरी वर्धा-बल्हारशाह के बीच चौथी रेल लाइन। इन परियोजनाओं की लागत करीब 3,399 करोड़ रुपये होगी। ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति योजना का हिस्सा हैं, जो देश में यातायात और माल ढुलाई को बेहतर बनाने के लिए बनाई गई है। ये लाइनें 784 गांवों को जोड़ेंगी, जहां करीब 19.74 लाख लोग रहते हैं। ये रेल लाइनें कोयला, सीमेंट, कृषि उत्पाद, पेट्रोलियम और कंटेनर जैसे सामानों की ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनसे हर साल 18.40 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई हो सकेगी। रेलवे पर्यावरण के लिए बेहतर और ऊर्जा बचाने वाला साधन है। यह तेल आयात और कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद करेगा, जिससे पर्यावरण को लाभ होगा।

## अब भारत नहीं आ पाएंगे पाकिस्तान के लोग, अफगानिस्तान की शुरु होगी आवाजाही

**नई दिल्ली।**

भारत सरकार ने न्यू अफगान वीजा मॉड्यूल के तहत जो सेवा शुरू की है, उसके अनुसार ऐसे लोगों को ही वीजा मिलेगा, जिन्हें किसी तरह का इलाज कराना हो या फिर मरीज की तीमारदारी करनी हो।

वहीं छात्रों, कारोबारियों, मेडिकल अटेंडेंट, यूएन डिप्लोमैट वीजा पर आने वाले लोगों को भी एंट्री दी जाएगी। इन वीजा के आवेदनों पर हर मामले को लेकर अलग-अलग फैसला लिया जाएगा। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान के लोगों की एंट्री पर भारत सरकार ने बैन लगा रखा है।

वीजा सेवाएं ठप कर दी गई हैं। इस बीच तालिबान से भारत के रिश्तों में सुधार को देखते हुए अफगानिस्तान के लोगों के लिए वीजा सेवाओं को शुरू किया गया है।

बीते माह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के अपने समकक्ष आमिर खान मुत्ताकी से बात की थी। वहीं तालिबान शासन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की थी और कहा था कि इस लड़ाई में हम भारत के साथ हैं। दरअसल भारत और अफगानिस्तान के बीच चाबहार पोर्ट को लेकर भी साझेदारी है।

वहीं इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को लेकर भी दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। यह कॉरिडोर भारत से लेकर ईरान, रूस होते हुए यूरोप को जोड़ने वाला है। इस तरह दो अहम प्रोजेक्ट्स में दोनों देश साथ हैं और पाकिस्तान के साथ दोनों के ही संबंध सहज नहीं हैं।

अफगानिस्तान के लोगों को वीजा आवेदन करने के लिए मौके की एक तस्वीर, पासपोर्ट की डिटेल्स और एक अन्य आईडी कार्ड पोर्टल पर सबमिट करना होगा।

यह फैसला महत्वपूर्ण है क्योंकि बीते कुछ महीनों में तालिबान के साथ भारत के रिश्ते सामान्य हुए हैं। तालिबान ने भारत को भरोसा दिया है कि उसकी जमीन से आतंकी गतिविधियों को संचालित नहीं होने दिया जाएगा। वहीं पाकिस्तान से उसके रिश्ते खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय आतंकियों और डूरंड लाइन को लेकर सहज नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ संबंध सुधार के अपने मायने हैं। भारत ने अफगानियों के लिए वीजा सेवा शुरू करके इसका संदेश भी दिया है।

## टिकट मांगने वाले नेताओं को पीएम मोदी ने दी नसीहत कहा- जमींदारी प्रथा नहीं चलेगी

**पटना।**

बिहार दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के उन नेताओं को बड़ा झटका दे दिया जो अपने बहु-बेटों के लिए टिकट की आस लगाए बैठे हुए थे। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने सांसदों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक में लकीर खींचते हुए कहा कि राजनीति में परिवारवाद नहीं होना चाहिए, जमींदारी प्रथा नहीं होनी चाहिए। आप नहीं तो आपके पुत्र, यह नहीं होना चाहिए।

उन्होंने टिकट बंटवारे में कार्यकर्ताओं को तरजीह देने की बात कही और सवालिया अंदाज में मौजूद नेताओं से यह भी कहा कि कार्यकर्ता मेहनत क्यों करता है? उसे मेहनत का फल क्यों नहीं मिलना चाहिए? पीएम मोदी ने टिकट की दावेदारी कर रहे नेताओं को लेकर लकीर खींचते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर ताकत होगी, तभी टिकट की दावेदारी होगी। नेताओं और कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर एक्टिव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी नेता उम्मीदवारी (टिकट) चाहते हैं, सोशल मीडिया पर उनके कम से कम 50 हजार से अधिक फॉलोवर होने चाहिए। पीएम मोदी ने जीत का मंत्र देते हुए कहा कि बूथ मजबूत कीजिए।

बूथ मजबूत होगा, तभी चुनाव जीतेंगे। बूथ जीतो, बिहार जीतो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी राज्य बिहार के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन भाजपा के प्रदेश कार्यालय में सांसदों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। पटना स्थित बिहार बीजेपी के कार्यालय में करीब 70 मिनट तक चली इस बैठक में पीएम मोदी ने नेताओं से संवाद किया, आगामी बिहार चुनाव में जीत का मंत्र दिया। पीएम मोदी ने नेताओं को बीजेपी की अब तक की यात्रा और पूर्वजों के बलिदान को याद रखने की नसीहत दी और विधानसभा चुनाव से पहले टिकट बंटवारे को लेकर भी स्पष्ट लकीर खींच दी।

बीजेपी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी ने इस बैठक में कहा कि बीजेपी चार पीढ़ी के बाद यहां तक पहुंची है, दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। पूर्वजों के बलिदान याद रखिए, जिसके बाद हम आज यहां तक पहुंच पाए हैं।**लोगों को जागरूक करिए-पीएम**

पीएम ने नेताओं से कहा कि सरकार का काम जनता के बीच लेकर जाएं।

## भारत करांची बंदरगाह पर हमले के लिए था तैयार, अमेरिका के आगे गिड़गिड़ाया पाक

### भारतीय वायुसेना ने कई एयरबेस को कर दिया था तबाह

**नई दिल्ली।**

मई की रात भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आहट विश्व मंच तक पहुंच गई। सूत्रों के मुताबिक भारत के ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन बनयान अल-मरसूस' नामक सैन्य कार्रवाई की शुरुआत की, लेकिन यह महज आठ घंटे में ही धराशायी हो गई। जवाबी कार्रवाई में भारत की वायुसेना ने पाकिस्तान के कई अहम सैन्य ठिकानों को तबाही कर दिया। रातोंरात भारतीय राफेल विमानों से मिसाइलें और एसयू-30 एमकेआई विमानों से ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलें दागी गईं। हमलों में चकलाल में नूर खान एयरबेस, जैकोबाबाद और भोलारी एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा। नूर खान एयरबेस, पाकिस्तान की उत्तरी एयर कमांड के कमांड-कंट्रोल नेटवर्क का हिस्सा था और पहले ही हमले में ध्वस्त हो गया।

मीडिया रिपोर्ट में वायुसेना के पास मौजूद सबूतों के मुताबिक इन हमलों में पाकिस्तान के एक सी-130जे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, एक जेएफ-17, और दो एफ-16 फाइटर जेट्स को मार गिराया गया। भारतीय एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम, जो आदमपुर एयरबेस पर तैनात था, उसने इस ऑपरेशन में 11 बार दुश्मन के विमानों को रोका। इसने 315 किमी दूर पाकिस्तान की सीमा में उड़ रहे साब-2000 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम को भी निशाना बनाकर गिरा दिया। 10 मई को भारत ने लाहौर में तैनात चीनी एलवॉय-80 एयर डिफेंस सिस्टम को हारपेज कामिकेज़ ड्रोन से तबाह कर दिया। इसके अलावा करांची के मलीर इलाके में तैनात एयक्यू-9 को भी भारत की मिसाइल ने नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने 10 मई को अपने ऑपरेशन की शुरुआत की थी और दावा किया था कि वह 48 घंटे में भारत के एयरबेस तबाह कर देगा, लेकिन भारतीय सेना के सटीक और तीव्र प्रहार से पाकिस्तान की योजना पस्त पढ़ गई। स्थिति जब हाथ से निकलने लगी तो पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत से सीजफायर की अपील की। सूत्रों के मुताबिक भारतीय नौसेना करांची बंदरगाह पर हमले के लिए तैयार थी और उसका बेड़ा मकरान तट से महज 260 मील दूर था। पाकिस्तान ने चेतावनी दी, लेकिन भारत पीछे नहीं हटा। दोपहर तक पाकिस्तान ने युद्धविराम की आधिकारिक गुहार लगाई।

## राष्ट्रपति मुर्मू ने गोवा की संस्कृति व विरासत के संरक्षण के लिए किया आव्हान

### गोवा के स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को दीं शुभकामनाएं

**पणजी।**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को गोवा के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं और राज्य की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में पर्यटन की भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने सतत पर्यटन (सस्टेनेबल टूरिज्म) को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि गोवा की सुंदरता और विरासत को सुरक्षित रखने के लिए पर्यटकों और स्थानीय समुदायों को मिलकर काम करना होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि राज्य स्थापना दिवस पर गोवा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं! गोवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सुंदर समुद्र तट, गर्मजोशी से भरा आतिथ्य और अन्य कई आकर्षण दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को राज्य की संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने के लिए सतत पर्यटन को अपनाते हुए एक साथ आना चाहिए और स्थानीय समुदायों का सहयोग करना चाहिए।

स्थापना दिवस का ऐतिहासिक महत्व

गौरतलब है कि 30 मई 1987 को गोवा को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ था।

इससे पहले यह केंद्र शासित प्रदेश गोवा, दमन और दीव का हिस्सा था। राज्य बनने के बाद से गोवा ने आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

विकसित भारत के निर्माण में गोवा का योगदान

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संदेश के अंत में कामना की, कि गोवा राज्य निरंतर प्रगति करे और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देता रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके से गिरी बिल्डिंग, 5 की मौत, कईयों के दबे होने की आशंका

**चंडीगढ़।**

पंजाब के मुक्तसर जिले में बड़ा हादसा हो गया है। खबर है कि एक पटाखा निर्माण इकाई की इमारत ढह गई है, जिसमें पांच मजदूरों की मौत हो गई है। यह हादसा धमाके के चलते हुआ था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि मलबे में कई और लोग दबे हो सकते हैं। राहत कार्य भी शुरू कर दिया गया है। मुक्तसर एसएसपी अखिल चौधरी ने कहा है कि मलबे से दो शव निकाले गए हैं और घायलों को बचाने की कोशिश लगातार की जा रही है। खबर है कि एम्स यानी ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बठिंडा में करीब 20 मजदूरों को भर्ती कराया गया है। इसके अलावा मुक्तसर के कुछ अस्पतालों में भी मजदूरों के इलाज चल रहा है। एसएसपी ने कहा, शुरुआती जानकारी से पता चला है कि धमाका पटाखा निर्माण क्षेत्र में अज्ञात कारणों से हुआ था, जिसके कारण इमारत ढह गई। प्रथम दृष्टया लग रहा है कि मौतों फैक्ट्री ढांचा गिरने की वजह से हुई हैं ना कि आग के चलते। वहीं सूत्रों ने बताया कि घटना रात करीब 2 बजे घटी। हरियाणा राज्य की सीमा पर स्थित इस यूनिट में कर्मचारी पटाखा बनाने और उनकी पैकेजिंग का काम कर रहे थे। खास बात है कि इनमें से अधिकांश अप्रवासी हैं। जिला प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

### कानपुर पहुंचे पीएम मोदी ने शुभम द्विवेदी के परिवार से मुलाकात की

कानपुर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अपने कानपुर के दौरे के दौरान पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कारोबारी शुभम द्विवेदी के परिवार से मुलाकात की। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया, प्रधानमंत्री मोदी चकेरी हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद शुभम की पत्नी ऐशान्या, पिता संजय द्विवेदी और मां सीमा द्विवेदी से मुलाकात की। एक सप्ताह पहले कानपुर से सांसद रमेश अवस्थी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री से, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए स्थानीय निवासी शुभम द्विवेदी के परिवार से मिलने का अनुरोध किया था। सांसद ने प्रधानमंत्री से 30 मई को कानपुर दौरे के दौरान शोकाकुल परिवार से मिलने का आग्रह किया था। अवस्थी ने कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय को जो पत्र भेजा है, उसमें परिवार ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया है। उनके अनुसार, दिवंगत कारोबारी के परिजन को लगता है कि आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर से शुभम की आत्मा को शांति मिली होगी और इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देने की इच्छा व्यक्त की है।

### कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये, व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस

**मथुरा।**

यमुना एक्सप्रेस वे पर कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये और साढ़े चार सौ ग्राम सोने के मामले में आयकर विभाग ने व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस दे दिया है। इस बारे में दो दिन में जवाब मांगा है। बात दें कि माधव कुंज कॉलोनी, मसानी रोड निवासी खण्डेलवाल सोने-चांदी की सप्लाई का व्यापार करता है। दीपक आगरा में सामान सप्लाई करने के बाद पेमेंट व बचा हुआ सोना लेकर अपनी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे। सूचना मिलने पर आयकर विभाग सक्रिय हुआ। आनन-फानन में थाना प्रभारी निरीक्षक मांट जसवीर सिंह और आयकर अधिकारी अपनी टीम के साथ यमुना एक्सप्रेस वे के मांट टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग में जुट गए। आयकर व पुलिस की संयुक्त टीम ने आगरा की ओर से आ रही स्विफ्ट कार को रोका गया। पूरी रात आयकर विभाग के अधिकारी खंडेलवाल से पूछताछ करते रहे लेकिन गाड़ी में मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये व 452 ग्राम सोने के बारे में दीपक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इस पर टीम ने सोना व नकदी सीज कर दी। आयकर अधिकारी ने बताया कि बरामद रुपये व सोने को फिलहाल मांट पुलिस के सुपुर्द किया है और खण्डेलवाल को नोटिस देकर बरामद रुपये व सोने के बाबत जवाब मांगा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com  www.facebook.com/krantisamay1  www.twitter.com/krantisamay1

# इलॉन मस्क ने ट्रम्प सरकार का साथ छोड़ा, कहा- राष्ट्रपति को थैंक्यू

## ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के खिलाफ थे, इसे फिजूलखर्ची बताया था



**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** टेस्ला के मालिक और अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने ट्रम्प प्रशासन छोड़ दिया है। उन्होंने भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5.30 बजे सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। मस्क ने कहा कि स्पेशल गवर्नमेंट एंप्लायी के तौर पर मेरा समय पूरा हुआ। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद भी दिया। ट्रम्प ने मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) का जिम्मा दिया था। जिसका काम सरकार की फिजूलखर्ची कम करना था।

**ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के खिलाफ थे मस्क :** मस्क के इस्तीफे की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन वे उस बिल का विरोध कर रहे थे जिसे ट्र्म्प ने बिग ब्यूटीफुल बताया था। मस्क ने कहा था कि डीओजीई का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है।

**इस्तीफे के एक दिन बाद कार्यकाल खत्म होना था :** जानकारी के मुताबिक ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद डीओजीई प्रमुख के तौर पर मस्क की नियुक्ति 30 मई 2025 तक के लिए ही की थी। यानी जब मस्क ने इस्तीफा दिया, उसके एक दिन बाद ही उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था। बिग ब्यूटीफुल बिल के 5 पॉइंट्स, जिनसे मस्क नाराज इनकम टैक्स और एस्टेट टैक्स में 2017 में की गई कटौती को स्थायी बनाना, टैक्स कटौती को बढ़ाने का भी प्रस्ताव। ओवरटाइम, टिप्स, और सोशल सिक्योरिटी इनकम पर टैक्स कटौती का प्रस्ताव, व्हाइट हाउस का कहना है कि सालाना 30 से 80 हजार डॉलर की कमाई वालों को अगले साल 15 प्रतिशत कम टैक्स देना होगा। अवैध इमिग्रेश रोकने के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी और अमेरिकी सेना को मजबूत करने पर ज्यादा खर्च करना। सरकार में फिजूलखर्ची, धोखाधड़ी और दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े इंतजाम। डेब्ट सीलिंग यानी सरकार कितना कर्ज ले सकती है, उसकी सीमा बढ़ाना। ये सीमा समय-समय पर बढ़ानी पड़ती है ताकि सरकार अपने बिल और खर्चे चुका सके। सरकार से अलग, ट्रम्प से भी दूरी के संकेत मस्क ने डीओजीई छोड़ने से एक दिन पहले अमेरिकी टीवी चैनल सीबीएस को दिए इंटरव्यू में कहा - राजनीति में जितना करना था कर लिया। अब चंदा नहीं दूंगा। वॉशिंगटन पोस्ट को दिए इंटरव्यू में मस्क ने कहा था- फेडरल ब्यूरोक्रेसी की हालत जितनी सोची थी, उससे कहीं ज्यादा खराब है। ये दोनों बयान संकेत है कि मस्क राजनीति से दूरी बनाएंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मस्क अब सरकारी भूमिका से हटकर फिर से टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी अपनी कंपनियों पर ध्यान देने जा रहे हैं। मस्क और ट्रम्प के बीच पहले भी मतभेद रहे ओपन एआई ने 22 मई को यूएआई में एक बड़ा एआई डेटा सेंटर बनाने का कॉन्ट्रैक्ट जीता था। मस्क की कंपनी एक्स एआई ने भी सौदे में शामिल होने की कोशिश की थी, लेकिन वे नाकाम रहे। अपनी विरोधी कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट मिलने के बाद मस्क ने ट्रम्प के सलाहकार डेविड सैक्स और बाकी अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। ट्रम्प की टीम नाराज, क्योंकि 100 मिलियन डॉलर का वादा किया, दिए नहीं मस्क ने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प के लिए 250 मिलियन डॉलर खर्च किए थे। उन्होंने 2026 के मिडटर्म इलेक्शन से पहले ट्रम्प की टीम को 100 मिलियन डॉलर देने का वादा किया था। लेकिन अभी तक यह रकम नहीं दी गई, जिससे ट्रम्प के कई सहयोगी नाराज हैं। मस्क को सीक्रेट जानकारी देने की खबर से सरकार की किरकिरी न्यूयॉर्क टाइम्स ने 20 मार्च 2025 को अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि मस्क को पेंटागन में चीन के साथ संभावित जंग को लेकर 21 मार्च को एक टॉप सीक्रेट ब्रीफिंग दी जाने वाली है। यह ब्रीफिंग 'द टैंक' नाम के एक स्पेशल रूम में दी जाने वाली थी। यह खबर लीक होते ही ट्रम्प नाराज हो गए। उन्होंने इस खबर को फेक बताया। ट्रम्प ने कहा कि मस्क का चीन में कारोबार है। उन्हें किसी भी हाल में चीन से जुड़ी सीक्रेट जानकारी नहीं दी जाएगी। हालांकि मस्क 21 मार्च को पेंटागन गए। लेकिन वे 'द टैंक' रूम में न जाकर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के ऑफिस गए। कहा गया कि इस बैठक में चीन पर कोई चर्चा नहीं हुई, बल्कि डीओजीई को लेकर प्लान बने।

## संक्षिप्त समाचार

### बेटी से दुष्कर्म के आरोपी अजय देव रिहा

**कैलिफोर्निया, एजेंसी।** अमेरिका की एक अदालत ने कैलिफोर्निया के रहने वाले एक व्यक्ति को रिहा करने का आदेश दिया है। इस व्यक्ति पर गोद ली हुई नाबालिग बेटी से ही दुष्कर्म का आरोप लगा था और दोषी पाए जाने पर 378 साल की सजा हुई थी। अब अदालत ने माना है कि व्यक्ति को झूठे आरोप लगाकर फंसाया गया। आरोपी की पहचान नेपाल मूल के अजय देव (58 वर्षीय) के रूप में हुई है। अजय जेल में 16 साल की सजा काट चुके हैं। अजय देव अमेरिका में वाटर इंजीनियर के तौर पर काम करते थे। साल 1998 में उन्होंने सपना देव को अपने गृह राज्य नेपाल से गोद लेने का फैसला किया। अजय और उनकी पत्नी सपना को अपने साथ अमेरिका ले आए। सपना ने ही अजय पर दुष्कर्म के आरोप लगाए थे। अदालत ने माना है कि साल 2004 में सपना का अपने प्रेमी के साथ ब्रेकअप हुआ था और सपना इसका जिम्मेदार अजय को मानती थी। बाद में सपना ने अजय पर कई वर्षों तक उसका यौन शोषण करने का आरोप लगाया था। बीते दिनों सपना ने ही कुछ परिचितों से कहा कि उसने अजय पर झूठे आरोप लगाए हैं। उन्हीं लोगों की गवाही के आधार पर अजय को छोड़ दिया गया।

### न्यूयार्क में डॉ. अच्युत सामंत के नाम पर शोध संस्थान स्थापित

**न्यूयार्क , एजेंसी।** अमेरिका की सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (सीयूएनवाई) ने भारतीय शिक्षाविद, समाजसेवी एवं कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के सम्मान में शोध संस्थान स्थापित किया गया है। संस्थान का नामकरण 'अच्युत सामंत इंडिया इनिशिएटिव क्यूनीक्रेस्ट इंस्टिट्यूट (एएसआईआईसीसीआई) किया गया है। यहां अमेरिकी छात्रों को भारत और ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत, आदिवासी विकास और शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. सामंत के योगदान पर शोध का अवसर मिलेगा। हाल ही में सीयूएनवाई के ब्रॉन्क्स कम्युनिटी कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. मिल्टन सैंटियागो ने कीट और कीस का दौरा किया था और डॉ.अच्युत सामंत के कार्यों से अत्यधिक प्रभावित हुए थे। संस्थान के उद्घाटन समारोह डॉ. सामंत को सीयूएनवाई केका सर्वोच्च सम्मान 'प्रेसिडेंशियलमेडल' भी प्रदान किया गया। डॉ. सामंत ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए और ओडिशा सहित कीट और कीस-परिवार के लिए गर्व का क्षण है।

### पाकिस्तान में हिंदू महिला का अपहरण कर कराया धर्म परिवर्तन, जबरन निकाह

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की महिला का अपहरण कर जबरन धर्म परिवर्तन कराकर मुस्लिम से निकाह करा दिया गया। बुधवार को अपहृत महिला का पति और उसके चार बच्चे मामला रखने के लिए मीरपुरखास में दरावर इत्तेहाद पाकिस्तान के दफ्तर आए। हिंदुओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले शिवा काची ने कहा, पीड़ित महिला का नाम शहबाज खासखेली है। उन्होंने कहा, पुलिस ने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। काची ने कहा अब हम अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। पीड़िता के पति ने कहा, पिछले हफ्ते शहबाज खशखेली और उसके आदमियों ने उसकी पत्नी को उसके घर के पास से अगवा कर लिया था। दो दिन बाद वह उसे एक धार्मिक मदरसे में ले गए और उसे इस्लाम कबूल करा दिया। इसके बाद उसकी मर्जी के बिना उसका निकाह करा दिया। पति ने कहा, क्या पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ यही न्याय है।

### बांग्लादेश कुकी उग्रवादियों की पनाहगाह बन रहा

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश कुकी उग्रवादियों की पनाहगाह बनता जा रहा है। बीते कुछ माह से प्रतिबंधित आतंकी संगठन कुकी चिन नेशनल फ्रंट (केएनएफ) की गतिविधियों में यहां तेजी देखी गई है। इस बीच चटगांव में केएनएफ की बड़ी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों ने चटगांव की एक फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 30 हजार सैन्य वर्दियां जब्त कीं, जिनकी कीमत 20 करोड़ टका आंकी गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि 10 हजार वर्दियां पहले ही उग्रवादियों तक पहुंच भी चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक, ये वर्दियां एक गुरिल्ला युद्ध के लिए तैयार की गई थीं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, इस साजिश के तहत भारत के मणिपुर और मिजोरम, म्यांमार के चिन और रखाइन राज्य, तथा बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स को एक साथ दहला देने की तैयारी थी। खुफिया रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि चहस्र के पास तीन हजार प्रशिक्षित उग्रवादी हैं, जिनमें से लगभग एक हजार को हाल ही में गुरिल्ला वॉरफेयर की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। केएनएफ ने बांग्लादेश में अलकायदा से जुड़े अंसार संगठन से हाथ मिलाया खुफिया एजेंसियों के अनुसार केएनएफ ने बांग्लादेश में अलकायदा समर्थित आतंकी संगठन अंसार अल इस्लाम से गठजोड़ किया है। सूत्रों के मुताबिक, केएनएफ के कई उग्रवादियों को अंसार के आतंकी शिविरों में गुरिल्ला वॉरफेयर और आत्मघाती हमलों की ट्रेनिंग दी गई है। बदले में, केएनएफ ने अंसार को पहाड़ी इलाकों में छिपने के लिए सुरक्षित पनाहगाह और रसद समर्थन देने की पेशकश की है। यह गठजोड़ बांग्लादेश, भारत व म्यांमार के लिए चिंता का कारण बन सकता है। बांग्लादेश-भारत-म्यांमार के संबंधों में कड़वाहट का फायदा उठा रहा केएनएफ अगस्त 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता का तख्तापलट व फरवरी 2021 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट हुआ।

## कनाडा में बेकाबू हुई जंगल की आग, आपातकाल लागू, सेना बुलाई गई

**ओटावा, एजेंसी।** कनाडा के एक राज्य मैनिटोबा के जंगलों में लगी आग बेकाबू हो गई है। आग के चलते हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। स्थानीय प्रशासन ने हालात को देखते हुए आपातकाल लागू कर दिया है। साथ ही सेना बुलाई गई है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी सेना भेजने की अनुमति दे दी है। मैनिटोबा के प्रीमियर वैब किन्यू ने बताया कि राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा निकासी अभियान चलाया जा रहा है। आग के चलते 17 हजार के करीब लोगों को पलायन करना पड़ा है।

**5000 लोगों को शहर छोड़ने का आदेश :** किन्यू ने बताया कि सेना को मदद के लिए बुलाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मैनिटोबा के फ्लिन फ्लोन शहर के जंगलों में लगी आग बेहद खतरनाक हो गई है, जिसके चलते शहर के करीब 5000 लोगों को शहर छोड़ने का निर्देश दिया गया। शहर के मेयर ने बताया कि आग इतनी तेजी से धधक रही है कि सभी लोगों को आधी रात तक शहर छोड़ने का आदेश दिया गया है। मैनिटोबा के सस्केचेवान इलाके में भी भीषण आग लगी है, जो तेजी से बढ़ रही है। आग के चलते सस्केचेवान में 1200 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। मैनिटोबा के जंगलों में 22 जगह आग लगी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे कनाडा से अग्निशमन विभाग के लोग आग से लड़ने में मदद कर रहे हैं। रविवार को एक अग्निशामक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस साल अब तक, मैनिटोबा में 102 बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिसके बारे में अधिकारियों का कहना है कि यह औसत से काफी ज्यादा है। कनाडा में जंगल में आग लगने का मौसम मई से सितंबर तक चलता है। इससे पहले साल 2023 में सबसे भीषण आग लगी थी, जिसके चलते महीनों तक उत्तरी अमेरिका के अधिकांश हिस्से खतरनाक धुएं की चपेट में रहे थे।

## पुर्तगाल में धुर दक्षिणपंथी चेगा पार्टी बनी मुख्य विपक्षी पार्टी

**लिस्बन, एजेंसी।** पूरे यूरोप में इन दिनों दक्षिणपंथी राजनीति में उभार देखा जा रहा है। यूरोपीय देश पुर्तगाल भी इससे अछूता नहीं है। पुर्तगाल के संसदीय चुनाव में धुर दक्षिणपंथी चेगा पार्टी ने सभी को चौंकाते हुए मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया है। चेगा पार्टी को दूसरी सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। पुर्तगाल में आमतौर पर मध्य दक्षिणपंथी और मध्य वामपंथी पार्टियां ही सत्ता में आती-जाती रही हैं। पुर्तगाल के अलावा फ्रांस में नेशनल पार्टी, इटली में ब्रदर्स पार्टी और जर्मनी में अल्टरनेटिव पार्टी अब राजनीतिक मुख्यधारा में शामिल हो चुकी हैं और बड़ी ताकत बनकर उभरी हैं। चेगा पार्टी ने छह साल पहले हुए आम चुनाव में महज एक सीट पर जीत दर्ज की थी। हालांकि अप्रवासन के खिलाफ इसके सख्त स्टैंड का पार्टी को फायदा मिला है। चेगा पार्टी ने 230 सीटों वाली पुर्तगाल संसद में 60 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं 88 सीटों के साथ मध्य दक्षिणपंथी डेमोक्रेटिक अलायंस को बहुमत मिला है। इस गठबंधन का नेतृत्व सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी कर रही है। मौजूदा पीएम लुइस मोंटेग्रो को एक बार फिर से सत्ता मिल सकती है।

## मोहम्मद यूनुस के खिलाफ ढाका की सड़कों पर हजारों लोगों का हुजूम उमड़ा

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में अंतरिम सरकार चला रहे मोहम्मद यूनुस के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। बुधवार को ढाका की सड़कों पर हजारों लोगों को हुजूम उमड़ा और फासीवाद खत्म करो के नारे लगते रहे। बांग्लादेश की पूर्व पीएम बेगम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी के लोगों ने यह आंदोलन किया, जिसमें देश भर से हजारों लोगों की भीड़ जुटी। राजधानी के सभी मुख्य मार्ग पूरी तरह जाम दिखे तो वहीं आंदोलन के चलते पूरा कामकाज भी थम गया। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की रैली में जल्दी ही आम चुनाव कराने की मांग की गई। इन लोगों की मांग थी कि इस साल के अंत तक ही चुनाव हो जाने चाहिए। वहीं मोहम्मद यूनुस कई बार दोहरा चुके हैं कि इस साल के अंत तक चुनाव कराना मुश्किल होगा। उनका कहना है कि जून 2026 तक चुनाव कराए जा सकते हैं। लेकिन बीएनपी समेत कई दलों का कहना है कि चुनाव पहले ही हो जाने चाहिए। बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-जमां की भी यही राय है कि इसी साल के अंत तक इलेक्शन करा लिए जाएं। साफ है कि यदि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने चुनाव जल्दी ही कराने का फैसला नहीं लिया तो फिर बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता का दौर देखने को मिल सकता है। बीते साल शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से ही मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार चला रहे हैं।

अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के लिए नोबेल पाने वाले यूनुस सत्ता में अब तक नाकाम ही दिखे हैं। उन पर कट्टरपंथी तत्वों को मजबूत करने के आरोप भी लगते रहे हैं। बुधवार की रैली को बीएनपी के मुखिया तारिक रहमान ने लंदन से ही वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चुनावों में देरी नहीं होनी चाहिए। इन चुनावों को साल के अंत तक ही करा लिया जाए। इस मांग को मोहम्मद यूनुस कई बार खारिज कर चुके हैं। उनका लगातार कहना है कि जून 2026 तक इलेक्शन हो पाएंगे। इस रैली को संबोधित करते हुए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की स्टैंडिंग कमेटी के मेंबर मिर्जा अब्बास ने कहा कि यह अंतरिम सरकार ऊपर से नीचे तक सड़ी हुई है। बीएनपी लीडर बोले- यह सरकार तो शेख हसीना से भी बुरी है यही नहीं आरोप यहां तक लगाया गया कि शेख हसीना सरकार से भी ज्यादा बदहाली अंतरिम सरकार के दौर में है। बता दें कि बीते साल जुलाई में शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन हुआ था।

## भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट का हकदार, पनामा ने खुलकर किया समर्थन



**पनामा सिटी , एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की जगह पक्की करने के लिए पनामा मदद के हाथ बढ़ाए हैं। पनामा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत का समर्थन किया है। पनामा के विदेश मंत्री जेवियर मार्टिनेज आचा ने कहा, ...भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होने का हकदार है। भारत और पनामा के बीच संबंध आपसी सम्मान, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और समृद्धि, शांति और समावेशी विकास के लिए एक समान दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

**आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने का एक तरीका नहीं होना चाहिए**

इस दौरान कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पनामा के विदेश मंत्री जेवियर मार्टिनेज अचा के साथ बैठक के दौरान कहा, आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने का एक तरीका नहीं होना चाहिए। अगर कोई समस्या है, तो उससे निपटने के दूसरे तरीके भी हैं। आतंकवादियों को सीमा पार भेजना पूरी तरह से अस्वीकार्य है और यह बात स्पष्ट होनी चाहिए। हमें अपराधियों, हत्यारों के पीछे जाना चाहिए और हम ऐसा करेंगे। जो लोग उन्हें सुरक्षित पनाह देते हैं, जो उन्हें सुरक्षा देते हैं, वित्तपोषित करते हैं, प्रशिक्षित करते हैं, हथियार देते हैं, भेजते हैं और उनका मार्गदर्शन करते हैं, उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। आतंकी हमलों के खिलाफ एकजुट होने की पनामा की प्रतिबद्धता एकदम स्पष्ट इससे पहले पनामा के विदेश मंत्री ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 26 लोग बेरहमी से मारे गए थे। विदेश मंत्री आचा ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पनामा की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा कि कोई भी देश जो आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह के रूप में काम करता है तो उसकी निंदा की जानी चाहिए। आपकी यहां की यात्रा आपकी कल्पना से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ने और इन आतंकी हमलों के खिलाफ एकजुट होने की पनामा की प्रतिबद्धता एकदम स्पष्ट है।

## टैरिफ पर ट्रंप को झटका, यूएस कोर्ट ने अवैध बताया; भारत-पाक सीजफायर वाले तर्क को भी किया खारिज




**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की एक व्यापार अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'लिबरेशन डे' टैरिफ को प्रभावी होने से रोकते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति ने आयात शुल्क लगाने में अपने संवैधानिक अधिकारों की सीमा का उल्लंघन किया है। ट्रंप प्रशासन ने इन टैरिफ को उन देशों पर लागू करने की योजना बनाई थी जो अमेरिका को उससे अधिक निर्यात करते हैं। ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने की वैधानिक शक्ति को ढ्ढश्वश्वक्क के तहत उचित ठहराया था। यह कानून राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में असामान्य और असाधारण खतरों से निपटने के लिए आर्थिक कदम उठाने की अनुमति देता है। हालांकि मैनहैटन की तीन जजों की कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति को असीमित शक्ति नहीं दी है। अदालत ने स्पष्ट किया, संविधान के तहत अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास है, जिसे आपातकालीन शक्तियों के नाम पर राष्ट्रपति नहीं ले सकता। अदालत ने अपने फैसले में कहा, यह अदालत राष्ट्रपति द्वारा टैरिफ का उपयोग कितनी बुद्धिमता से किया गया, उस पर कोई टिप्पणी नहीं करती। यह उपयोग इसलिए अवैध है क्योंकि कानून इसकी अनुमति नहीं देता, न कि इसलिए कि यह अनुचित या अप्रभावी है। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि यदि आईईईपीए की व्याख्या इस तरह की जाए कि वह राष्ट्रपति को असीमित टैरिफ लगाने की शक्ति दे, तो यह असंवैधानिक होगी। ट्रंप प्रशासन ने अदालत में दावा किया कि इन टैरिफ का उद्देश्य सिर्फ व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक था। अधिकारियों ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच मई की शुरुआत में हुए तनाव के दौरान ट्रंप ने हस्तक्षेप कर और टैरिफ रणनीति का इस्तेमाल कर दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध को टालने में भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान स्थित आतंकियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किए गए आतंकी हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की थी और ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ को राजनयिक दबाव के तौर पर इस्तेमाल किया।

## नमाज के बाद हमला करने वाला था पाक, लेकिन भारत ने बरसा दी ब्रह्मोस मिसाइलें; शहबाज का कबूलनामा

**लाचिन , एजेंसी।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को उस रात की घटना को याद किया जब भारत ने आतंकी ठिकानों और बाद में पाकिस्तानी एयरबेसों पर हमला बोल दिया था। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान भारत पर सुबह की नमाज के बाद हमले की योजना बना चुका था, लेकिन उससे ठीक पहले भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला बोल दिया। अजरबैजान के लाचिन में पाकिस्तान-तुर्की-अजरबैजान त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने यह बातें कही हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान की सेना फजर की नमाज के बाद सुबह 4.30 बजे भारत पर हमला करने वाली थी। लेकिन जब तक कि ये समय आता उससे पहले ही भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल से हमला कर पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों और कई राज्यों पर अटैक कर दिया। भारत ने नूर खान (रावलपिंडी) और मुरीद (चकवाल) को तबाह कर दिया। आपको बता दें कि जब पाकिस्तान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह बात कबूल कर रहे थे, तब उनके सामने पाकिस्तान के नए नवेले चीफ ऑफ स्टाफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी बैठे हुए थे। बाद में उन्होंने भरी सभा में मुनीर को खड़ा कर परिचय कराया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद सहित मुद्दों का समाधान करना चाहिए। यह इस सप्ताह भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता के लिए दबाव बनाने वाला उनका दूसरा ऐसा बयान था। इससे पहले तेहरान में शरीफ ने सोमवार को कहा कि वह सभी विवादों को हल करने के लिए भारत के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। हालांकि भारत ने यह स्पष्ट



कर दिया है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।

शरीफ ने कहा, हमें शांति के लिए एक साथ बैठकर बातचीत करनी चाहिए। ऐसे मुद्दे हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है और उन्हें बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। मैंने पूरी विनम्रता से कहा है कि हम क्षेत्र में शांति चाहते हैं। इसके लिए उन मुद्दों पर बातचीत की आवश्यकता है जिन पर तत्काल ध्यान देने और सौहार्दपूर्ण समाधान की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीर का मुद्दा और कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं पर बातचीत होनी चाहिए।

आपको बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। भारत ने 7 मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक हमले किए। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। भारत ने पाकिस्तानी कार्रवाइयों का कड़ा जवाब दिया। उसके कई ठिकानों को मिसाइल अटैक कर तबाह कर दिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सूरत की पांच युवतियों ने बनाया 'लुटेरी दुल्हन गैंग'

# पांच महिलाओं की गैंग ने निकाह का नाटक रचाकर युवक से 1 लाख वसूल लिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में लुटेरी दुल्हन का एक मामला सामने आया है। शहर के अठवा इलाके में निकाह के नाम पर अहमदाबाद में रहने वाले एक दिव्यांग युवक के साथ साजिश रची गई थी। पांच महिलाओं की गैंग ने निकाह का नाटक रचाकर युवक से 1 लाख रुपये वसूल लिए थे। इसके बाद निकाह की रात ही दुल्हन अपने परिवार के साथ फरार हो गई थी।

इस पूरे मामले में युवक ने अठवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने महिला गैंग को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पीड़ित युवक जिन लोगों को अपनी पत्नी का परिवार समझ रहा था, वे असल में सिर्फ लूट के लिए बनाई गई पांच युवतियों की लुटेरी दुल्हनों की गैंग थी।

इससे पहले अहमदाबाद का दिव्यांग युवक लुटेरी गैंग की सदस्य और एजेंट हीना (नरगिस बानो) के संपर्क में आया और निकाह के लिए सूरत की 18 वर्षीय युवती को दुल्हन बनाकर खड़ा किया गया था, जबकि वास्तव में सना के माता-पिता को इस निकाह के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। बाद में जब युवक निकाह के लिए तैयार हो गया, तो एजेंट हीना ने ज़रीना खातून के नानपुरा इलाके में स्थित घर पर निकाह करवाया। इसमें काज़ी के रूप में इर्शाद पठान नामक रिक्शा चालक ने निकाह पढ़ाया। निकाह के बाद दुल्हन और उसका फर्जी परिवार युवक के साथ अहमदाबाद गया, जहां से 1 लाख रुपये वसूलकर वापस सूरत लौट आए।

इसके बाद युवक और उसके रिश्तेदारों के सभी फोन नंबर ब्लॉक कर दिए गए। जब युवक ने संपर्क करने की कोशिश की, तो कोई जवाब नहीं मिला। बाद में जब युवक ने शिकायत करने की बात कही, तो सभी युवतियों ने उसे झूठे बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी दी।

इस मामले में युवक द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की। जांच में पुलिस ने पांच युवतियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में ज़रीना खातून (जो मैरिज ब्यूरो चलाती है), सना (दुल्हन), हीना (एजेंट), मुस्कान और शाहीस्ता (जो दुल्हन की बहन बनकर आई थीं) शामिल हैं। सभी महिलाएं लिंबायत, नानपुरा और सलाबतपुरा जैसे इलाकों में रहती हैं और अलग-अलग पहचान बनाकर लोगों को शादी के नाम पर ठगती हैं।

सबसे अहम बात यह है कि सना की दो सहेलियां सगी बहनों के रूप में युवक के सामने गई थीं। 1 लाख रुपये की रकम में सभी लोगों ने हिस्सेदारी करने की योजना बनाई थी।

इस मामले में डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि पूरे प्रकरण में पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। शादी के नाम पर एक लाख रुपये ऐंठने के मामले में कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों ने क्या इसी तरह और भी लोगों को ठगा है या नहीं, इस बारे में जांच चल रही है।

## मेयर ने कलेक्टर को पत्र लिखकर जींगा तालाब के दबाव को दूर करने के लिए लिखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की कमजोर नेतागीरी के कारण इस साल फिर से सूरत में खाड़ी बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। सूरत में खाड़ी बाढ़ को रोकने के लिए प्रशासनिक तंत्र के साथ छह महीने पहले प्रभारी मंत्री की मौजूदगी में खाड़ी में पड़े जींगा तालाब को दूर करने की मांग की गई थी और इस काम के लिए निर्देश भी दिए गए थे। हालांकि, छह महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके कारण आज सूरत के मेयर ने कलेक्टर को पत्र लिखकर भीमपुर गांव के पास स्थित जींगा तालाब के दबाव को दूर कर जमीन को समतल करने के लिए पत्र लिखा है।

सूरत जिले से आने वाली और शहर से होकर गुजरने वाली खाड़ी में समय-समय पर बाढ़ आती रहती है। इस खाड़ी की बाढ़ के कारण सूरत को करोड़ों रुपए का नुकसान होता है और हजारों लोग प्रभावित होते हैं। छह महीने पहले सूरत प्रशासन के साथ हुई बैठक में प्रभारी मंत्री कनू देसाई की उपस्थिति में बताया गया था कि सूरत की खाड़ी बाढ़ के लिए जिम्मेदार कांकरा खाड़ी, मींढोला नदी से मिलने वाले स्थान पर जींगा तालाब होने के कारण खाड़ी के पानी का बहाव रुकता है, इसलिए इसे दूर करने की मांग की गई थी। प्रशासन अगर इस तालाब को दूर करता है तो नगरपालिका सभी मशीनरी प्रदान करने के लिए भी तैयार है।

हालांकि, इस जींगा तालाब को दूर करने के लिए प्रभारी मंत्री की मौजूदगी में आवेदन किया गया था और निर्देश भी दिए गए थे। इसके बावजूद छह महीने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अब मानसून के आने में कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में सूरत के मेयर दक्षेश मावाणी ने जिला कलेक्टर को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि मींढ़ोला नदी के मुख के पास तथा भीमपुर गांव के पास बनाए गए जल मार्ग में बाधा बन रहे जींगा तालाबों को दूर किया जाना चाहिए।

पत्र में आगे यह भी कहा गया है कि भीमपुर गांव के पास बने जींगा तालाब के कारण जल प्रवाह में अवरोध उत्पन्न होता है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष मानसून के दौरान मीठीखाड़ी लिम्बायत जोन के नीचले इलाकों और भीमपुर गांव में जलभराव हुआ था। इस समस्या के समाधान के लिए सिंचाई विभाग की सलाह के अनुसार कांकरा खाड़ी के दोनों किनारों से 200 मीटर तक और भीमपुर गांव के पास बने जींगा तालाबों को हटाकर भूमि समतल करना आवश्यक है। छह महीने पहले ही यह आवेदन किया गया था। लेकिन सूरत की कमजोर नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक तंत्र की काम करने में ढीलापन नीति के कारण इस मानसून में फिर एक बार सूरत के ऊपर खाड़ी बाढ़ का संकट बना हुआ है।

## अकाउंटेंट ने ही मालिक का खाता खाली कर दिया।

# फर्म के मोबाइल से पत्नी और मां के खातों में 17.73 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए

### पत्नी ने रोकने की कोशिश की लेकिन वह नहीं रुका।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा इलाके में अवसर फेटा व्यापारी के यहां पार्ट-टाइम अकाउंटेंट के रूप में जुड़े एक युवक ने ही मालिक का खाता खाली कर दिया था। मालिक के मोबाइल फोन में मौजूद ऑनलाइन बैंक अकाउंट का उपयोग कर आरोपी ने 17.73 लाख रुपये अपनी पत्नी और मां के खातों में ट्रांसफर कर लिए। जब यह गबन उजागर हुआ, तब मामला पुलिस थाने तक पहुंचा।

करीब एक महीने की जांच के बाद कापोद्रा पुलिस को आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। उल्लेखनीय है कि जब आरोपी अपनी पत्नी के खाते में पैसे डाल रहा था, तब उसकी पत्नी ने भी उसे संदेह के चलते रोकने की कोशिश की थी और पूछा था कि वह कुछ गलत तो नहीं कर रहा है। लेकिन आरोपी नहीं रुका, और आखिरकार उसे जेल जाना पड़ा।

इसके साथ ही सोशल मीडिया पर पार्ट-टाइम नौकरी की रील्स देखकर अकाउंटेंट की तलाश करने वाले व्यापारी को भी धोखेबाज़ अकाउंटेंट मिलने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के नाना वराछा क्षेत्र की भगवतीकृपा सोसायटी में रहने वाले अनिल रामजी खूंट च्अवसर फेटा वालाज् के नाम से व्यवसाय करते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम ऐप पर विज्ञापन देकर नवंबर 2024 में ध्रुव दिनेशभाई उर्फ दिनकर पंड्या (निवासी- ओम पैलेस, पासोदरा) को पार्ट-टाइम नौकरी पर रखा था। अनिलभाई ने अपने बैंक अकाउंट के अलावा अपने पिता और भाई के ऑनलाइन बैंक अकाउंट्स का एक्सेस भी इस अकाउंटेंट को दे दिया था।

ध्रुव काम के बजाय अक्सर मोबाइल फोन में ही व्यस्त रहता था, जिसके चलते 3 जनवरी को उसे नौकरी से निकाल दिया गया। इसके बाद 12 जनवरी को ध्रुव दुकान पर आया और ऑर्डर की पीडीएफ भेजने के बहाने से मालिक का मोबाइल आधे घंटे के लिए ले गया। अगले दिन जब अनिलभाई के भाई और पिता के खातों से पैसे ट्रांसफर होने की सूचना मिली, तो वे बैंक पहुंचे। बैंक स्टेटमेंट देखकर अनिलभाई के होश उड़ गए।

बैंक अकाउंट की जांच करने पर पता चला कि नवंबर महीने से लेकर मार्च महीने के दौरान इस परिवार के बैंक खातों से कुल 17.73 लाख रुपये ध्रुव की मां हंसाबेन और पत्नी अक्षिता के खातों में ट्रांसफर किए गए थे। पार्ट-टाइम अकाउंटेंट की नौकरी के बहाने इस व्यक्ति ने लाखों रुपये की धोखाधड़ी की, जिसके चलते मामला कापोद्रा पुलिस थाने पहुंचा। पुलिस ने इस मामले में 27 अप्रैल को अकाउंटेंट, उसकी पत्नी और मां के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

पुलिस को एक महीने बाद आरोपी ध्रुव पंड्या को पकड़ने में सफलता मिली। उसे ऑनलाइन बैंकिंग और ऑर्डर से जुड़े फोन सौंपे गए थे, जिनका इस्तेमाल करते हुए ध्रुव ने मोबाइल में Google Pay डाउनलोड किया और उसमें से अपनी मां और पत्नी के खातों में पैसे ट्रांसफर कर दिए। वह ट्रांजैक्शन के बाद Google Pay और OTP से जुड़े मैसेज भी डिलीट कर देता था।

पूछताछ में पता चला कि जब ध्रुव अपनी मां और पत्नी के खातों में पैसे ट्रांसफर करता था, तब वह पत्नी को वॉट्सएप पर मैसेज भी करता था। उस वक्त पत्नी ने भी उससे पूछा था कि क्या वह कुछ गलत तो नहीं कर रहा है, और उसे रोकने की कोशिश की थी। हालांकि, ध्रुव नहीं रुका और आखिरकार उसे जेल जाना पड़ा।

# 23 साल के बेटे ने मां के प्रेमी को चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी,पुलिस ने किया गिरफ्तार।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हत्या के मामलों में वृद्धि हो रही है। ऐसे में गोदादरा इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिसमें मां के प्रेमी पर पुत्र ने चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज किया है। मृतक राजेंद्र बंडु धरम गोदादरा इलाके के निवासी थे। पिछले तीन वर्षों से युवक विशाल भंडेनी की मां के साथ प्रेम संबंध थे। युवक के पिता के निधन के बाद राजेंद्र अक्सर उनके घर आते थे। यह बात बेटे के लिए असहनीय हो गई थी। राजेंद्र घर आए और कहा, "मेरा मोबाइल किसने लिया?" जिसके कारण घर में विवाद हो गया। इसके बाद झगड़ा बढ़ गया और विशाल की मां ने राजेंद्र से घर छोड़ने को कहा। राजेंद्र गुस्से में वहां से चला गया, लेकिन 23 साल के विशाल के मन में इस बात का गुस्सा बना रहा। पुलिस जांच में पता चला है कि विशाल प्रहलाद भंडे गुस्से में आकर चाकू लेकर घर से निकल पड़ा था।

हत्या के बाद गोदादरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। प्राथमिक जांच के बाद आरोपी विशाल भंडे को पकड़ लिया गया। पुलिस पूछताछ में विशाल ने अपना अपराध स्वीकार किया और बताया कि उसकी मां के प्रेमी के साथ चल रहे संबंध और हाल की घरेलू बातचीत का झगड़ा उसके गुस्से का कारण था। मृतक की मां शकुंतला द्वारा गोडादरा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर विशाल के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल चाकू, घटना से पहले और बाद के सीसीटीवी फुटेज, तथा मृतक और आरोपी के कॉल रिकॉर्ड की जांच कर रही है। साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों के बयान भी लिए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि केस से जुड़े सभी सबूत इकट्ठे करके कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

## 60 लाख के हीरे चोरी के आरोपी ने डेढ़ घंटे गड्ढे में छिपकर बिताए।

# राजकोट जेल में चोर को मिली टिप,यूट्यूब से सीखी तकनीक, तिजोरी तोड़ने मुंबई से मशीन मंगवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एक हीरा व्यापारी के लिए असली रक्षक बनी है राजकोट शहर की क्राइम ब्रांच, क्योंकि अप्रैल महीने में हीरे की फैक्ट्री में हुई चोरी के मामले में चालाक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर रहने के तमाम प्रयासों में सफल हो रहा था, लेकिन राजकोट क्राइम ब्रांच की टीम ने दिन-रात मेहनत करके इस ब्लाइंड केस को सुलझा लिया और सफलता हासिल की।

इस केस में पुलिस ने लगभग 100 सीसीटीवी कैमरे खंगाले, लेकिन कहीं भी आरोपी नजर नहीं आया। न तो आरोपी मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता था और न ही चोरी में किसी को साथ रखता था। इसके बावजूद पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों से जुड़े एक आरोपी के पीछे "मेंटर" लगाकर जांच शुरू की। साथ ही हीरा चोरी में शामिल गुजरात के 30 आरोपियों से पूछताछ की गई। इस दौरान राजकोट जेल में बंद एक आरोपी ने खुलासा किया कि अजय नायका नामक शख्स उससे हीरा चोरी के बारे में जानकारी लेता था। पुलिस ने उस दिशा में जांच शुरू की और अंततः आरोपी को पकड़ लिया।

इतना ही नहीं, चोरी गए पूरे 60.83 लाख के हीरों को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। आइए जानते हैं कि यह ब्लाइंड केस कैसे सुलझाया गया? पुलिस ने डेढ़ महीने में किन-किन दिशाओं में जांच की? और आखिर "गुजरात पुलिस का मेंटर प्रोजेक्ट" क्या है?

10 अप्रैल, 2025 की रात को राजकोट शहर के कोठारिया रिंग रोड पर स्थित धरमनगर सोसाइटी में "खोडियार डायमंड" नामक फैक्ट्री में 60,83,650 मूल्य के 11,655 कच्चे और तैयार हीरे चोरी हो गए थे। आरोपी ने फैक्ट्री के पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया था और फिर तिजोरी तोड़कर हीरे चुरा लिए थे।

अगले दिन सुबह जब फैक्ट्री में चोरी का पता चला, तो पुलिस के उच्च अधिकारी समेत पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। भक्ति नगर पुलिस ने BNS की धारा 305(A), 331(4) समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

इसके बाद पुलिस आयुक्त ब्रजेश झा और जेसीपी महेन्द्र बगड़िया के मार्गदर्शन में राजकोट शहर क्राइम ब्रांच, भक्ति नगर पुलिस, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और DCP जोन-1 की LCB की कुल 10 अलग-अलग टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू की गई थी।

राजकोट शहर क्राइम ब्रांच के एसीपी भरत बसिया ने दिव्य भास्कर से खास बातचीत में बताया कि भक्तिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई हीरे की चोरी का केस एकदम ब्लाइंड केस था, क्योंकि चोरी करने वाला आरोपी चालाक था और उसने पहले भी 19 चोरी की वारदातें अंजाम दे रखी थीं। आरोपी ने हीरे के कारखाने में चोरी की और बाद में सीसीटीवी कैमरे के DVR में रखी हार्ड डिस्क निकालकर अपने साथ ले गया था। आसपास के क्षेत्र में भी जांच करने पर कोई ऐसा सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला जिसमें वह व्यक्ति कहीं आता-जाता दिखे, और कोई सुराग पुलिस को नहीं मिला।

पुलिस ने इस इलाके के साथ-साथ आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे चेक किए, लेकिन आरोपी कहीं भी सीसीटीवी कैमरे में कैद नहीं हुआ, क्योंकि वह सड़क के बीच बने डिवाइडर पर चलकर आता-जाता था, जिससे वह किसी दुकान, फैक्ट्री या अन्य सीसीटीवी कैमरे में कैद नहीं हो पाता था।

मेंटर की जिम्मेदारी ASI विजयराजसिंह को सौंपी गई

इसके बाद राजकोट क्राइम ब्रांच के ASI विजयराजसिंह Jadeja को मेंटर के रूप में जिम्मेदारी दी गई। उन्हें बार-बार चोरी की वारदातें करने वाले आरोपियों पर नजर रखने और उनकी जांच करने का निर्देश दिया गया।

# वराछा पुलिस स्टेशन की लॉकअप से आरोपी फरार,सुबह गिनती में खुला राज़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस के खिलाफ एक शर्मनाक घटना सामने आई है। ऐसा लग रहा है जैसे पुलिस की इज्जत ही तार-तार हो गई हो। वराछा पुलिस के लॉकअप की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक हुई कि एक वाहन चोरी का आरोपी बुधवार सुबह लोकअप से भाग निकला। सुबह ड्यूटी पूरी होने वाली थी, जब पुलिसकर्मियों ने लॉकअप में गिनती की तो इस घटना का पता चला।

इस मामले में एक महिला पुलिसकर्मचारी ने वराछा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने वाहन चोरी के आरोपी रवि बाबुलाल प्रजापति के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया। आरोपी के भाग जाने के बाद पुलिस सतर्क हुई और तुरंत लोकअप की मरम्मत करवाई। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात लोकअप में कुल 11 आरोपी थे, जिनमें से 4 आरोपियों को मोबाइल फोन के माध्यम से इलाज के लिए पुलिसकर्मियों ने ले जाया था। इलाज कराकर सभी चारों आरोपियों को बुधवार मध्यरात्रि को वापस पुलिस स्टेशन लाया गया। इसके बाद वाहन चोरी के आरोपी रवि प्रजापति को लोकअप की गैलरी में रखा गया और अन्य 3 आरोपियों को पुलिस पूछताछ के लिए ले गई। डेढ़ बजे वापस आए 3 आरोपियों को पुलिस ने लोकअप की गैलरी में रखा था, जहां वाहन चोरी का आरोपी रवि प्रजापति भी मौजूद था। इसके बाद पुलिस अपने काम में व्यस्त हो गई, इसी बीच सुबह आरोपी रवि प्रजापति ने मौका देखकर लोकअप की टूटी हुई सलिया से बाहर निकलकर फरार हो गया। सुबह ड्यूटी खत्म होने पर पीएसओ ने लोकअप में आरोपियों की गिनती की, तो सिर्फ 10 आरोपी मिले और एक आरोपी गायब था। इस पर पुलिस को इस घटना की जानकारी हुई।